घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 170- बुधवार 22 - अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

केरलम में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट...13 की मौत,10 शव बरामद

3 लोगों के शरीर के हिस्से बिखरे मिले,40 मजदूर काम कर रहे थे...

त्रिशूर,21 अप्रैल 2026। केरलम के त्रिशूर जिले में मंगलवार दोपहर 3.30 बजे पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। फैक्ट्री में कई लोग झुलस गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, मौके से 10 शव मिले,जबकि 3 लोगों के शरीर के हिस्से मिले है। 5 घायलों की हालत गंभीर है। 17 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पटाखे खेतों के बीच बने शेड में बनाए जा रहे थे। हादसे के समय करीब 40 लोग मौजूद थे। फायर ब्रिगेड, पुलिस और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं,लेकिन रुक-रुक कर विस्फोट होने से रेस्क्यू में दिक्कत आई।

त्रिशूर पूरम पर्व के लिए तैयार किये जा रहे थे पटाखे

अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा एक शेड में हुआ जहां मंदिर देवस्वओम की ओर से त्रिशूर पूरम पर्व के लिए पटाखें तैयार किए जा रहे थे। त्रिशूर पूरम पर्व 26 अप्रैल को है। घटना के बाद राज्य के सीएम पिनराई विजयन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने बचाव और राहत कार्यों चुस्ती से करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मुख्य सचिव से बात कर यह निर्देश दिया कि यदि आवश्यकता हो,तो गंभीर रूप से झुलसे लोगों के इलाज के लिए राज्य के बाहर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की भी मदद ली जाए। मुख्यमंत्री ने लोगों की मौत पर गहरा शोक जताया है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे घायलों के लिए विशेष उपचार तय करें। वीना जार्ज ने इमरजेंसी के लिए सरकारी एम्बुलेंस सेवा सहित अतिरिक्त एम्बुलेंस और चिकित्सा दलों को घटनास्थल पर तैनात करने को कहा है।

मृतकों के परिवार को 2-2 लाख का मुआवजा

पीएम मोदी ने हादसे में मरने वाले लोगों के लिए संवेदना जताई और मृतकों के परिवार को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार के मुआवजे का ऐलान किया है। पीएम ने कहा- जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कांग्रेस ने पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर विशेषाधिकार हनन का दिया नोटिस

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष एवं कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम संबोधन को लेकर विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्षी सांसदों पर टिप्पणी की और उनके मतदान पैटर्न पर सवाल उठाए। वेणुगोपाल ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष को दिए पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उनके मतदान व्यवहार पर न केवल सवाल उठाए बल्कि उनके इरादों पर भी संदेह जताया। यह कार्य संसद के विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है। प्रधानमंत्री का इस तरह का भाषण शक्ति का दुरुपयोग है और यह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। प्रधानमंत्री का यह संबोधन महिला आरक्षण से जुड़े

संविधान (131वां संशोधन) विधेयक-2026 के लोकसभा में पास नहीं होने के एक दिन बाद किया गया था। वेणुगोपाल ने कहा कि 16 एवं 17 अप्रैल को विपक्षी दलों के सभी सांसदों ने महिला आरक्षण का समर्थन किया था। उन्होंने 2023 में पारित 'नारी शक्ति वंदन' संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम का जिक्र करते हुए मांग की कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि 131वें संशोधन विधेयक के जरिए सरकार ने अनुच्छेद 82 में बदलाव कर परिसीमन से जुड़ी संवैधानिक सुरक्षा को हटाने की कोशिश की। विपक्ष का विरोध इसी कारण था, जबकि महिला आरक्षण के प्रति उनका समर्थन स्पष्ट और एकमत था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा विपक्षी सांसदों की नीयत पर सवाल उठाना उनके स्वतंत्रता और ईमानदारी पर आक्षेप है। यह न केवल व्यक्तिगत हमला है बल्कि संसद की गरिमा और अधिकारों पर सीधा आघात है। यह विधेयक संविधान की मूल संरचना पर हमला था और उसका गिरना सही था। प्रधानमंत्री का इस पर नाराज होकर राष्ट्र को संबोधित करना और विपक्षी सांसदों पर आरोप लगाना लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। वेणुगोपाल ने कहा कि संसद की परंपरा और अनुच्छेद 105 के तहत किसी भी सदस्य के भाषण या मतदान पर किसी व्यक्ति, यहां तक कि प्रधानमंत्री को भी टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। ऐसा करना संसद की गरिमा को कमजोर करता है और सांसदों के स्वतंत्र कर्तव्यों में हस्तक्षेप करता है।

बंगाल को भ्रष्टाचार,घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त कराने का चुनाव : अमित शाह

आसनसोल,21 अप्रैल 2026। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कुल्टी विधानसभा सभा सीट के उम्मीदवार डा. अजय पोद्दार के समर्थन में बलतोडिया गणेश पूजा मैदान में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने आसनसोल में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा कि क्या वे राज्य में बदलाव चाहते हैं,सिंडिकेट राज खत्म करना चाहते हैं और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त बनाना चाहते हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि आसनसोल की यह पवित्र भूमि कभी उद्योग और श्रम की पहचान रही है,जहां से पूरे देश और दुनिया में लोहा जाता था लेकिन वर्तमान सरकार ने यहां के उद्योगों को बंद करने का काम किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह चुनाव केवल किसी प्रत्याशी या कार्यकर्ता को जिताने का नहीं बल्कि पूरे बंगाल को भ्रष्टाचार,घुसपैठ और गुंडागर्दी से मुक्त कराने का चुनाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि

वे मतदान के दिन कमल के निशान पर बटन दबाकर भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है और महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। गृहमंत्री ने वादा किया कि राज्य में अवैध खनन बंद किया जाएगा,रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे और सरकारी योजनाओं को पारदर्शी तरीके से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर बेरोजगारों को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाएगी,गर्भवती महिलाओं को सहयोग मिलेगा और महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त की जाएगी। साथ ही,आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी रूप से लागू कर गरीबों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को अधिक आर्थिक सहायता दी जाएगी और युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए ऋण सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाई जाएगी और बिना किसी भ्रष्टाचार के नियुक्तियां की जाएंगी। गृहमंत्री ने राज्य सरकार पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद दोषियों को कानून के तहत सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा गरीबों की किसी भी योजना को बंद नहीं करेगी बल्कि नई योजनाएं शुरू करेगी। साथ ही, सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा ताकि घुसपैठ पूरी तरह रोकी जा सके। उन्होंने कहा कि बंगाल का मुख्यमंत्री बंगाल का ही होगा और बाहरी व्यक्ति के मुख्यमंत्री बनने की अफवाहें गलत हैं।

सीमा राजभर बनीं समाजवादी पार्टी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष,अखिलेश यादव ने भाजपा पर बोला तीखा हमला

लखनऊ,21 अप्रैल 2026। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के मुख्यालय पर बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जहां कई नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान बसपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एमएच खान समेत श्यामलाल निषाद, विजय कुमार लाल,

अखिलेश पाठक, इशरत अली खान और नीलू सत्यार्थी सपा में शामिल हुए। यह सभी नेता सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सीमा राजभर को समाजवादी महिला सभा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भी घोषित किया गया। इस मौके पर अखिलेश यादव ने सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने भाजपा की पदयात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि कड़ी धूप में बिना तैयारी के यात्रा करना दिखावटी राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि जनता अब बदलाव चाहती है और भाजपा की वापसी मुश्किल है। अखिलेश यादव ने एक चाय विक्रेता का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उसकी दुकान बंद कराई गई, क्योंकि उसने बेहतर चाय बनाने का दावा किया था। उन्होंने कहा कि सरकार रोजगार देने में विफल रही है और छोटे कारोबारियों को भी परेशान किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने महिला आरक्षण मुद्दे पर भी सवाल उठाए और कहा कि सरकार की नीतियों में ईमानदारी की कमी है। उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान पर भी कटाक्ष करते हुए भाजपा पर भ्रामक राजनीति करने का आरोप लगाया।

जनता दल यूनाइटेड की बैठक में विधायक दल के नेता चुने गए श्रवण कुमार

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। जनता दल यूनाइटेड ने अपने वरिष्ठ नेता श्रवण कुमार को विधायक दल का नेता चुन लिया है। यह निर्णय 21 अप्रैल 2026 को हुई पार्टी बैठक के बाद लिया गया,जिसकी पुष्टि बिहार विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में की गई। इससे एक दिन पहले नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई थी, लेकिन तब नेता के नाम पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया था। अब पार्टी नेतृत्व ने श्रवण कुमार के नाम पर सहमति जताते हुए औपचारिक घोषणा कर दी है। सूत्रों के मुताबिक,नई सरकार में उपमुख्यमंत्री पद न मिलने से श्रवण कुमार नाराज बताए जा रहे थे। ऐसे में पहले उन्हें वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई और अब विधायक दल का नेता बनाकर उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश की गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला सामाजिक संतुलन को साधने की रणनीति का हिस्सा है। जदयू का पारंपरिक आधार 'लव-कुश' समीकरण पर टिका है, जिसमें कुर्मी और अन्य पिछड़े वर्गों की अहम भूमिका रही है। चूंकि श्रवण कुमार कुर्मी समुदाय से आते हैं, इसलिए उन्हें यह जिम्मेदारी देकर पार्टी ने जातीय संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-छूने से देवता अपवित्र कैसे होते हैं

सबरीमाला के वकील बोले...भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी,इसलिए पूजा की प्रथा भी वैसी

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। कोर्ट ने पूछा,'मूर्ति छूना ईश्वर का अपमान कैसे हो सकता है और वे अपवित्र कैसे हो जाते हैं।'सुप्रीम कोर्ट ने पूछा,'क्या संविधान उस भक्त की मदद के लिए आगे नहीं आएगा,जिसे केवल उसके वंश और जन्म के कारण देवता को छूने से रोक दिया जाता है।'इस पर सबरीमाला के वकील एडवोकेट वी. गिरी ने कहा किसी भी मंदिर में होने वाले रीति-रिवाज उस धर्म का अभिन्न हिस्सा होते हैं। पूजा देवता की विशेषताओं के उलट नहीं हो सकती। भगवान अयप्पा'नैष्ठिक ब्रह्मचारी'हैं, इसलिए वहां की परंपराएं उसी के अनुरूप तय की गई हैं।

एडवोकेट सुब्रमण्यम ने कहा... किसी संप्रदाय विशेष के मंदिर पर सामाजिक सुधार का कानून लागू किया जा सकता है...

- एडवोकेट सुब्रमण्यम: किसी संप्रदाय विशेष के मंदिर पर सामाजिक सुधार का कानून लागू किया जा सकता है; जिसके तहत हिंदुओं के सभी वर्गों के लिए उसके दरवाजे खोल दिए जाएं।
- जस्टिस सुंदरेश: उदाहरण देकर बताएं। एडवोकेट सुब्रमण्यम:पूजा के लिए बने सार्वजनिक संस्थान का अर्थ संप्रदाय विशेष के मंदिर भी हो सकते हैं। जस्टिस सुंदरेश: क्या कोई ऐसा संप्रदाय विशेष का मंदिर हो सकता है जो सार्वजनिक संस्थान न हो? हो सकता है कि वह हिंदू मंदिर हो, लेकिन सार्वजनिक संस्थान न हो।
- एडवोकेट सुब्रमण्यम: ऐसा तभी हो सकता है जब वह किसी परिवार के सदस्यों के लिए समर्पित कोई निजी मंदिर हो।
- जस्टिस सुंदरेश: यह परिभाषित करके बताएं कि मंदिर के मामले में 'सार्वजनिक स्वरूप' क्या है।

आज आ सकता है फैसला

सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। फैसला आज आने की संभावना है। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ का झोल..मद्रास हाई कोर्ट के रडार पर विजय,इनकम टैक्स को जांच के आदेश

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे मशहूर एक्टर विजय शुरुआत में ही बड़ी मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। मद्रास हाई कोर्ट ने उनकी नवगठित पार्टी'तमिलगा वेट्री कजगम' के प्रमुख विजय के चुनावी हलफनामे में 100 करोड़ रुपये से अधिक की भारी गड़बड़ी पकड़ी है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सीधे इनकम टैक्स विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। पहली बार चुनावी मैदान में उतरी विजय की पार्टी के लिए इसे एक बहुत बड़ा राजनीतिक और कानूनी झटका माना जा रहा है।

दरअसल, एक्टर विजय ने तमिलनाडु चुनाव के लिए दो अलग-अलग विधानसभा सीटों, त्रिची और पेरम्बूर से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। विवाद तब शुरू हुआ जब पेरम्बूर के एक स्थानीय मतदाता ने अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया कि विजय द्वारा दोनों सीटों पर दिए गए हलफनामों में उनकी आय के आंकड़े मेल नहीं खा रहे हैं। जांच में सामने आया कि त्रिची सीट के लिए दाखिल कागजातों में विजय ने अपनी आय 220 करोड़ रुपये दिखाई थी, जबकि पेरम्बूर सीट के हलफनामे में यह आंकड़ा मात्र 115 करोड़ रुपये दर्शाया गया था।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे की सफाई प्रधानमंत्री को आतंकवादी नहीं कहा

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री को कभी आतंकवादी नहीं कहा। उन्होंने कहा कि उनका आशय यह था कि प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक ताने-बाने को डरा-धमका रहे हैं। खरगे ने चेन्नई में केसी वेणुगोपाल के साथ पत्रकार वार्ता में आईएडीएमके और भाजपा गठबंधन की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कह दिया था। लेकिन जब पत्रकारों ने उनसे इस टिप्पणी के संदर्भ में सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उनका मतलब था कि प्रधानमंत्री लोगों और राजनीतिक दलों को डराने-धमकाने का काम कर रहे हैं। इसके बाद खरगे ने कहा कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि प्रधानमंत्री आतंकवादी हैं। उनका आशय था कि प्रधानमंत्री अपनी शक्ति और सरकारी मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर विपक्षी दलों पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने यह विवादित बयान एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर हमला करते हुए दिया था। उन्होंने कहा था कि ए आई ए डीएमके,जो अन्नादुरई की तस्वीर लगाती है,वह मोदी के साथ कैसे जा सकती है। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद खरगे ने अपने बयान को लेकर सफाई दी और कहा कि उनका आशय लोकतंत्र को कमजोर करने वाली राजनीति की ओर इशारा करना था।

अनिल अंबानी की कंपनी आरकॉम पर सीबीआई का बड़ा एक्शन

19 हजार करोड़ के फर्जीवाड़े में 2 बड़े अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने उद्योगपति अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर दर्ज किए गए धोखाधड़ी के एक मामले में सीबीआई ने कंपनी के दो वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अधिकारियों की पहचान डी. विश्वनाथ और अनिल काल्या के रूप में हुई है। एसबीआई का आरोप है कि कंपनी ने क्रेडिट सुविधाओं के नाम पर लिए गए फंड का गलत इस्तेमाल किया, जिससे अकेले एसबीआई को 2929.05 करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

एसबीआई द्वारा दी गई शिकायत के मुताबिक,इस बड़े फर्जीवाड़े के कारण कुल 17 बैंकों के कंसोर्टियम को लगभग 19,694.33 करोड़ रुपये की भारी चपत लगी है। जांच एजेंसी की अब तक की तफ्तीश में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस के कई अधिकारियों ने मिलकर अलग-अलग शेल (फर्जी) कंपनियां बना रखी थीं।

पश्चिम बंगाल,तमिलनाडु में चुनाव प्रचार थमा,23 अप्रैल को मतदान

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव प्रचार मंगलवार शाम 5 बजे थम गया। पश्चिम बंगाल के पहले चरण के लिए 152 सीटों और तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव आयोग के अनुसार मंगलवार शाम 5 बजे से दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार पूरी तरह थम गया और 'साइलेंस पीरियड' लागू हो गया। नियमों के मुताबिक मतदान से 48 घंटे पहले प्रचार अभियान पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया जाता है, ताकि मतदाता बिना किसी दबाव के स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें। यह प्रावधान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के तहत लागू होता है। इस दौरान न तो रैलियां आयोजित की जा सकती हैं और न ही टीवी, अखबार या सोशल मीडिया पर प्रचार किया जा सकता है। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। मतदान को बढ़ावा देने

और 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने राज्यभर में व्यापक जागरुकता अभियान शुरू किए हैं। तमिलनाडु में इस बार कुल 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां मुख्य मुकाबला द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच माना जा रहा है। वहीं अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के कारण कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय है। पश्चिम बंगाल में पहले चरण के लिए 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा। इस चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं और लगभग 3.60 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मुर्शिदाबाद की 22,कूचबिहार की नौ, जलपाईगुड़ी की सात, अलीपुरद्वार की पांच,कलिंपोंग की एक, दार्जिलिंग की पांच, उत्तर दिनाजपुर की नौ,दक्षिण दिनाजपुर की छह, मालदा की 12, बीरभूम की 11,पश्चिम बर्द्धमान की नौ, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15,झाड़ग्राम की चार, पुरुलिया की नौ व बांकुड़ा की 12 सीटें शामिल हैं। पहले चरण में कुल 1,478 प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदाताओं की कुल संख्या तीन करोड़ 60 लाख 77 हजार 171 है, जिनमें एक करोड़ 84 लाख 99 हजार 496 पुरुष,एक करोड़ 75 लाख 77 हजार 210 महिला व 465 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं,जहां उनकी सीधी टक्कर भारतीय जनता पार्टी से है।

संपादकीय

आतंक के खिलाफ मजबूत मोर्चा

भारत दशकों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आतंकवाद का सामना करता आया है। यह लड़ाई हमारे लिए नई नहीं है। आतंकवाद कितना वीभत्स हो सकता है,इसका एक उदाहरण पिछले वर्ष पहलगाम में हुआ आतंकी हमला था,जिसमें लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया था। चूंकि पहलगाम हमले की बरसी निकट है, इसलिए हमें आतंकवाद के खतरों को लेकर सचेत रहना होगा। पहले जहां आतंकवाद सीमांत क्षेत्रों और पारंपरिक तरीकों तक सीमित था,वहीं अब यह उच्च तकनीक,इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के सहारे तेजी से फैलने वाला वैश्विक खतरा बन गया है।

आज आतंकी केवल हथियारों के सहारे नहीं,बल्कि डिजिटल माध्यमों,गुप्त वित्तीय नेटवर्कों और वैचारिक प्रचार के जरिये भी काम कर रहे हैं। इस बदलते स्वरूप को समझे बिना आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटना संभव नहीं है। इसी संदर्भ में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक समयानुकूल पहल की है। इसे नाम दिया है प्रहार (यानी प्रोएक्टिव रिस्पांस अगेंस्ट होस्टाइल एक्ट्स)। यह कदम आतंकवाद से निपटने में बाजी पलटने वाला दांव सिद्ध हो सकता है।

भारत ने आतंकवाद से लड़ते हुए कई अनुभव हासिल किए हैं। इस क्रम में माओवाद से निपटने में अपनाई गई समाधान संकल्पना एक उत्कृष्ट उदाहरण है। दृढ़ इच्छाशक्ति,स्पष्ट रणनीति,बेहतर समन्वय और मजबूत खुफिया तंत्र के माध्यम से उग्रवाद को काफी हद तक नियंत्रित किया गया।

इससे यह सिद्ध हुआ कि यदि नीति स्पष्ट हो और एजेंसियों के बीच तालमेल मजबूत हो,तो जमीनी स्तर पर ठोस परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। हालांकि आतंक से निपटने में आज की चुनौतियां कहीं अधिक विकराल हैं। आतंकवाद मुख्यतः बाहरी ताकतों द्वारा पोषित है। अब बिखरे हुए छोटे-छोटे समूहों,अकेले काम करने वाले व्यक्तियों और आनलाइन नेटवर्क के रूप में भी वह विस्तार ले रहा है। इस तरह यह एक साथ जमीनी, इंटरनेट और वित्तीय तंत्र तीनों स्तरों पर काम करता है। ऐसे में अलग-अलग और असंगठित प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे।

प्रहार जैसी संकल्पना इन्हीं पहलुओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह तकनीक,खुफिया जानकारी,कानून व्यवस्था,वित्तीय निगरानी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में समन्वयन को सुनिश्चित करती है। इसका उद्देश्य स्पष्ट है-खतरे को चिह्नित करना,उसे बढ़ने से रोकना और जरूरत पड़ने पर तुरंत और सख्त कार्रवाई करना। इस नीति की सबसे बड़ी विशेषता इसका समग्र दृष्टिकोण है।

आतंकवाद बंदूक या बम का मामला नहीं है,बल्कि यह एक सोच, एक बड़े नेटवर्क और दुश्मन के सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है, इसलिए इसका समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए। प्रहार सात मुख्य स्तंभों पर आधारित है,जो इसे एक संतुलित और प्रभावी नीति बनाते हैं।

एक स्तंभ है रोकथाम यानी खुफिया जानकारी के आधार पर समय रहते कार्रवाई। दूसरा स्तंभ है प्रतिक्रिया,जिसमें किसी घटना पर त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई। तीसरा स्तंभ है विश्लेषण,जिसमें सटीक जानकारी एवं विश्लेषण के आधार पर निर्णय। चौथा स्तंभ है मानवाधिकार अनुपालन यानी कानून और संविधान के दायरे में रहकर कार्रवाई। पांचवां स्तंभ है आतंकी वित्तीय ढांचे की कमर तोड़ना, ताकि उन तक वित्तीय मदद पहुंचने ही न पाए। छठा स्तंभ है जागरूकता और कट्टरता-निरोध,जिसमें समाज को साथ लेकर चलना और दुष्प्रचार का समय से खंडन। सातवां स्तंभ है लचीलापन और पुनर्बहाली यानी घटना के बाद तेजी से सामान्य स्थिति बहाल करना। ये सभी स्तंभ ऐसी रणनीति बनाते हैं, जो न केवल आतंक को रोकने में सक्षम है, बल्कि समाज को भी मजबूत बनाती है।

आज आतंकी नई तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में पारंपरिक पुलिसिंग पर्याप्त नहीं रह गई है। प्रहार इस कमी को दूर करते हुए साइबर क्षमता, आधुनिक तकनीक और वित्तीय निगरानी को भी अपने ढांचे में शामिल करता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आतंक के खिलाफ अपना रुख और स्पष्ट किया है। बालाकोट एयर स्ट्राइक से लेकर आपरेशन सिंदूर और देश के भीतर आतंकी नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई यह दिखाती है कि भारत अब केवल बचाव की नीति तक सीमित नहीं है। जरूरत पड़ने पर उसके पास निर्णायक और पूर्व-निषेधात्मक कठोर कदम उठाने की क्षमता और इच्छाशक्ति दोनों मौजूद हैं।

प्रहार यह सुनिश्चित करता है कि ऐसी कार्रवाई केवल परिस्थितियों पर निर्भर न रहे,बल्कि एक व्यवस्थित नीति के तहत की जाए। इस नीति का केंद्रीय आधार आतंक की रोकथाम है। इसके लिए खतरे को प्रारंभिक स्तर पर ही चिह्नित कर उसे निष्प्रभावी करना मूल उद्देश्य है। इसके लिए खुफिया-आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करना, एजेंसियों के बीच रियल-टाइम सूचना साझाकरण सुनिश्चित करना, भर्ती नेटवर्क को समय रहते ध्वस्त करना और आतंकी समर्थन तंत्र को समाप्त करना अनिवार्य है।

साथ ही,डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय कट्टरपंथी गतिविधियों की निगरानी और आतंकी वित्तपोषण के स्रोतों पर कठोर नियंत्रण इस ढांचे के प्रमुख घटक हैं। एआइ के माध्यम से संभावित खतरों का पूर्वानुमान,बिग डाटा से संदिग्ध पैटर्न की पहचान, सीमाओं पर ड्रोन निगरानी और साइबर फोरेंसिक के माध्यम से इन्क्रिप्टेड संचार की ट्रैकिंग जैसे उपाय इसे अधिक प्रभावी बनाते हैं।

आतंकवाद के डिजिटल स्वरूप को देखते हुए साइबर क्षमताओं का विस्तार अब अनिवार्य हो गया है,क्योंकि डीपफेक आधारित दुष्प्रचार के बढ़ते उपयोग ने यह चुनौती और जटिल बना दी है। यह भी समझना होगा कि कट्टरपंथ केवल सुरक्षा बलों के माध्यम से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज, शिक्षकों,धार्मिक नेतृत्व और नागरिक संगठनों की भागीदारी भी अपरिहार्य है।

प्रहार भारत की आतंकवाद-रोधी रणनीति में बड़े बदलाव का प्रतीक है। इसका ढांचा मजबूत है और सरकार की मंशा भी स्पष्ट दिखती है,पर इसकी सफलता क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी। नीति बनाना पहला कदम है, उसे जमीन पर प्रभावी बनाना असली चुनौती है।

महिला आरक्षण बिल : किसे होगा नफा किसे नुकसान

मुस्ताअली बोहरा
भोपाल,मध्यप्रदेश

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल दो दिनों की बहस के बाद लोकसभा में 131वां संशोधन विधेयक खारिज हो गया। केंद्र ने संसद का विशेष सत्र बुलाया था जो 16 अप्रैल को शुरू हुआ और 18 अप्रैल तक चला। 12 साल के शासन में मोदी सरकार को संसद में पहला बड़ा झटका लगा। महिला आरक्षण बिल खारिज हो जाने के बाद राजनीति भी तेज हो गई है। बीजेपी इस बिल के पास ना हो पाने का ठीकरा विपक्ष पर फो रही है तो विपक्ष ने इसे राजनीतिक एजेंडा करार दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने सदन में तीनों विधेयकों का विरोध करते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री को जब लगता है कि वो चुनाव हार जाएंगे तो वो नियम ही बदल देते हैं,ये विधेयक सिर्फ राजनीतिक मकसद से लाए जा रहे हैं। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि ये समझने की जरूरत है कि महिला आरक्षण विधेयक साल 2023 में ही पारित हो चुका है। सदन में परिसीमन के जरिए दक्षिण भारतीय राज्यों का हक मारने की साजिश की हार हुई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि हम महिला आरक्षण को परिसीमन से जो ने से कभी सहमत नहीं हो सकते। कांग्रेस नेता राहुल गांधी,जयराम रमेश, समाज वादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ ही एमके स्टालिन ने भी इसे साजिश करार दिया था। दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा था कि महिलाओं को आरक्षण देना समय की मांग है और जो इसका विरोध करेगा वह लंबे समय तक इसकी कीमत चुकाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नाम संदेश भी दिया। इस पूरे घटनाक्रम से एक बात तो साफ हो गई कि महिला बिल को बीजेपी काफी सोच समझकर सदन में लाई थी।

मोदी सरकार ने लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए थे। पहला, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026, दूसरा,परिसीमन विधेयक 2026 और तीसरा विधेयक केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2026। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 का उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम,2023 जिसे महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से भी जाना जाता है, उसमें संशोधन करना था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद ने सितंबर

2023 में लगभग सर्वसम्मति से पारित किया था। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान था। यह विधेयक लोकसभा में आगे नहीं बढ़ा पाया। सदन के नियमों के अनुसार, संविधान संशोधन विधेयक उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से ही पारित हो सकता था। पक्ष में 298 सांसदों के वोट पड़े जबकि 230 सांसदों ने विरोध में वोट डाला। इसके बावजूद विधेयक को जरूरी दो तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया। लोकसभा में 537 सांसद हैं और विधेयक को पास कराने का जादुई आंके ा 360 वोट था। सत्तारूढ़ एनडीए में 240 भाजपा सांसदों सहित 293 सदस्य हैं, जिसमें पर 67 सीटों की कमी रह गई।भाजपा ने महिला बिल पास ना होने को लेकर अभी से सियासी माहौल बनाना शुरू कर दिया है। तो दूसरी तरफ, कांग्रेस भी हमलावर है। तर्क दिया जा रहा है कि किसी राजनीतिक पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष कांग्रेस से थी एनी बेसेंट, देश की पहली महिला प्रधानमंत्री कांग्रेस से थीं श्रीमती इंदिरा गांधी,पहली महिला मुख्यमंत्री कांग्रेस से थीं सुचेता कृपलानी, देश की पहली महिला राष्ट्रपति कांग्रेसनीत शासनकाल में थीं श्रीमती प्रतिभा पाटिल,पहली महिला न्यायाधीश भी कांग्रेस के शासन में थीं फातेमा बीबी। कांग्रेस का सवाल है कि बीजेपी चुनाव में महिलाओं को अधिक टिकट क्यूं नहीं देती, मंत्री मंडल में अधिक महिलाओं को क्यूं शामिल नहीं किया जाता,सरकारी नौकरियों में महिलाओं का आरक्षण कोटा क्यूं नहीं बढ़ाया जाता। राहुल गांधी भी कह चुके हैं कि महिला आरक्षण बिल तो 2023 में पारित हो चुका है,जो बिल लाया गया वो एससी-एसटी और ओबीसी के खिलाफ है। बहरहाल मोदी सरकार के एक दशक से ज्यादा के कार्यकाल में एक भी बिल नहीं गिरा। जितने भी बिल पेश किए गए,सभी संसद में पास हुए लेकिन पहली बार इतना अहम बिल लोकसभा में गिर गया। मालूम हो कि पिछले 24 साल के दौरान कोई भी सरकारी बिल नहीं गिरा था। साल 2002 में पोटा बिल गिरा था। उसके 24 साल बाद कोई बड़ा बिल सदन में गिरा है। 12 साल में मोदी सरकार का पहला बड़ा बिल गिरा है। ऐसा तो हो नहीं सकता,बीजेपी के थिंक टेंक को इसका अंदाजा नहीं था,या वो इस बात से अनभिज्ञ थे कि उनके पास विधेयक पास कराने लायक बहुमत नहीं है। तो क्या भाजपा ये बिल यूपी और बंगाल चुनाव के नजरिए से लाई थी। इसके अलावा अगले लोकसभा चुनाव में महिला मतदाताओं को विपक्ष से दूर कर अपने पक्ष में लुभाने के लिए बीजेपी ने ये पासा फेंका था। वैसे भी,महिला मतदाताओं का साथ बीजेपी को मिलता रहा है। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना,महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना आदि का जादू चुनाव में दिख ही चुका है। ये तो तय है कि महिला आरक्षण बिल पास ना होने को भाजपा सियासी हथियार बनाएगी। हालांकि,पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों से तय हो जाएगा कि ये मुद्दा किसे नफा और किसे नुकसान पहुंचाता है। साथ ही अगले साल यूपी और फिर अन्य राज्यों के विधानसभा और 2029 में लोकसभा चुनाव तक ये मुद्दा बना रहता है या भी नहीं।

पृथ्वी को स्वच्छ सुंदर सुवासित बनाना ही होगा

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

मानव जीवन में अगर कोई सम्बंध सर्वाधिक उदात्त, गरिमामय, पावन और प्रेमपूर्ण है तो वह है मां और पुत्र का सम्बंध। एक मां कभी भी अपनी संतान को भूखा-प्यासा, निर्बल और कष्ट का जीवन जीते नहीं देख सकती और ऐसा कोई पुत्र भी नहीं होगा जो मां की कराह सुन व्याकुल और व्यथित न हो। यही कारण है कि ऋषियों ने पृथ्वी की वन्दना माता के रूप में की।'माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः'अथर्ववेद का यह सूत्र वाक्य धरती और मानव के सम्बंधों की न केवल गरिमामय व्याख्या करता है बल्कि धरती के प्रति मानवीय कर्तव्यों का निर्धारण भी। न केवल मानव के जीवन यापन के लिए बल्कि पशु-पक्षियों सहित लाखों-करोड़ों छोटे-बड़े जीवों के लिए धरती ने उपहार दिये हैं। लेकिन आज वह धरती अपने कुपुत्रों की करनी से घायल हो रुदन कर रही है। धरती से अधिकाधिक दोहन कर लेने की हो ने मनुष्य को अंधा बना दिया है और वह अपने ही पैरों में स्वयं कुल्हाड़ी मार रहा है। धरती संकट में है, धरती कराह रही है पर हम मौन हैं,क्यों?

मानव के अविवेकी और असंयमित आचरण से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। अन्तरराष्ट्रीय संस्था आई पी सी सी के एक अध्ययन के अनुसार, पिछली सदी में धरती का औसत तापमान 1.4 फारनेहाइट बढ़ा है। यह वृद्धि मौसम और जलवायु के विनाशकारी परिवर्तन का कारण बनी है। तीव्र औद्योगिकीकरण, ग्रीन हाउस गैसों, जंगलों की कटान और भौतिकवादी भोगप्रधान जीवन शैली के कारण ध्रुवों,हिमनदों और पहाड़ी चोटियों की बर्फ पिघल रही है। अंटार्कटिका क्षेत्र से प्रति वर्ष 148 अरब टन बर्फ पिघल रही है। इस कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। यह बढ़ता जल स्तर तटीय और द्वीपीय छोटे देशों को एक दिन लील लेगा। ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए दिसम्बर 1997 में क्योटो प्रोटोकाल लाया गया था जिसे 160 देशों ने स्वीकार करते हुए कमी करने का संकल्प लिया। लेकिन अकेले 80 प्रतिशत ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करने वाले अमेरिका ने इसे स्वीकार नहीं किया। सर्वसुख सम्पदा प्रदायिनी यह धरती एक तप्त भट्टी में तब्दील हो रही है।

यह प्लास्टिक युग है। भारतीय समाज भी अति आधुनिकता के व्यामोह में 'यूज एण्ड थ्रो'जीवन शैली के भंवरजाल में फंसा प्लास्टिक कचरा के रूप में हजारों टन कूड़ा प्रतिदिन घरों से बाहर फेंक रहा है। इस प्लास्टिक में से अधिकांश रिसायकिल नहीं हो पाता। यह गलता नहीं है और अपने अवयवों में टूटने में 1000 साल लगाता हैं। एक आंकड़ा के मुताबिक भारत में प्रतिवर्ष 50 मीट्रिक टन प्लास्टिक का निर्माण होता है। विश्व में 10 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन अकेले अमेरिका प्रतिवर्ष करता है और एक करो किलोग्राम प्लास्टिक कूड़े का उत्सर्जन भी। वहीं इटली द्वारा सर्वाधिक प्लास्टिक थैलियों की खपत की जाती है जो एक खरब प्रतिवर्ष है। पॉलीथीन थैलियों को जलाने से निकली कार्बन और कार्बन मोनो ऑक्साइड,रिफ्रिजरेटर और शीत भंडारण केन्द्रों से उत्सर्जित क्लोरो फलोरो कार्बन से सूर्य की हानिकारक पराबैगनी किरणों से पृथ्वी की रक्षा करने वाली ओजोन परत में बड़े-बड़े छेद हो गये है। वायुमंडल में कार्बन डाइ ऑक्साइड की मात्रा एक अनुमान के अनुसार 37.16 गीगा टन हो गई है। प्रति एकै पैदावार बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अधाधुंध प्रयोग से मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरा शक्ति तो नष्ट हुई ही है बल्कि माटी भी जहरीली हो गई है। इस जहर के कारण मिट्टी को खाकर उसे खाद में बदलने वाले किसानों के मित्र केचुआ और अन्य छोटे कीट अब नहीं दिखते। दूध,अन्न,सब्जियां और भूगर्भ जल प्रदूषित हुआ है। परिणाम त्वचा रोग, टायफायड, मस्तिष्क ज्वर,फाइलेरिया, दमा, कैंसर जैसे रोग जडें जमा रहे हैं और महामारी जैसा रूप ले रहे हैं। कल-कारखानों से निकलने वाला दूषित जल बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे नदियों में डाला जा रहा है। यमुना आज दिल्ली-आगरा में गंदे नाले का रूप ले चुकी है। गंगा का जल अपना औषधीय गुण खो चुका है। गंगाजल पीने और नहाने लायक नहीं बचा। गोमती अस्तित्व बचाये रखने को जूझ रही है। यही हाल कमोबेश अन्य नदियों का भी है। वरुणा और असी नदियों के चतुर्दिक बसी होने के कारण काशी नगरी वाराणसी कहलाई लेकिन आज दोनों नदियां शहर का मल-मूत्र और कचरा ढोने को विवश हैं। नदियां कारखानों का अपशिष्ट बहाने के माध्यम बन कर रह गई हैं।

तथाकथित विकास के नाम पर बडें बांध बनाकर नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बांधा गया। बड़े बांधों के बनने से जैव विविधता खत्म हुई है। पहाड़ के सीने में उग आए कंक्रीट के जंगल ने प्राकृतिक परिवेश पर आघात किया है। धरती को बचाये रखने के लिए ही सितम्बर 1969 में सिएटल में अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन ने 1970 के बसन्त में पर्यावरण को लेकर राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की ताकि लोग पर्यावरण की हो रही क्षति को समझ सकें। 1990 में पहली बार अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर इसे मनाने का निश्चय किया जिसमें 141 देशों के 20 करो लोगों की सहभागिता रही। हालांकि, 21 मार्च 1970 को संघ के तत्कालीन महासचिव यू थॉट ने 'पृथ्वी दिवस' को अन्तरराष्ट्रीय समारोह स्वीकार किया था। 1992 में रियो डी जिनेरियों में संयुक्त राष्ट्र पृथ्वी सम्मेलन हुआ। ग्लोबल वार्मिंग के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए स्वच्छ ऊर्जा के प्रयोग को बढावा देने का संकल्प लिया गया। 2009 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाने का का निर्णय लिया। प्रत्येक वर्ष वैश्विक आयोजन की एक थीम तय की जाती है। वर्ष की थीम है-हमारी शक्ति,हमारा ग्रह। चीन,पाकिस्तान,भारत और अमेरिका सहित कई देशों ने पृथ्वी दिवस के सन्दर्भ में पर्यावरण के महत्व को स्वीकारते हुए विभिन्न मूल्य वर्ग के डाक टिकट जारी किए हैं। यदि हम धरती को बचाना चाहते हैं और चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी के हाथों में एक हरी-भरी सुंदर, स्वच्छ, सदानीरा और सुवासित वसुन्धरा सौपें तो हमें अपनी दैनन्दिन जीवनचर्या पूर्णरूपेण बदलनी होगी। हमें प्रकृति की ओर लौटना होगा। बाजार से सामान लाने के लिए घर से जूट या कपड़े के बने थैले उपयोग में लाएं। अनाज भण्डारण के लिए प्लास्टिक बोरियों की बजाय जूट के बोरे इस्तेमाल करें। रोजमर्रा के काम जैसे किराना, शाक-भाजी की खरीददारी में कागज के लिफाफों का प्रयोग करें जो किसी को रोजगार देगा और हमें संतुष्टि। किसानों को रासायनिक उर्वरक और कीटनाशको की बजाय जैविका खाद और इको फ्रेंडली देशी कीटनाशकों के इस्तेमाल के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित करें। पहल खुद से शुरू करनी होगी। विश्वास करिए,एक चलना आरम्भ करेगा तो साथ में लोग जुड़ते चलें जायेंगे। केवल एक दिन पृथ्वी दिवस मनाये जाने भर से परिवर्तन होन वाला नहीं है। हमें हर दिन पृथ्वी दिवस मनाना होगा और प्रकृति के साथ चलना होगा, जीना होगा। तभी यह धरा बचेगी और हम भी ।

धरा को बचाने के लिए जनभागीदारी जरूरी है...

लाल बिहारी लाल,
नई दिल्ली

देश दुनिया में पर्यावरण का तेजी से क्षति होते देख अमेरिकी सीनेटर जेराल्ट नेल्सन ने 7 सितंबर 1969 को घोषणा की कि 1970 के बसंत में पर्यावरण हिस्सा लिया। इसके आगे हर साल यह प्रक्रिया चलती रही। सन 2007 में पृथ्वी दिवस का अब तक के सबसे बड़ा आयोजन हुआ जिसमें अनुमानतः हजारों स्थान पर जैसे-कीव,युक्रेन, कानवास,बेनजुएला,तुवालु, मनिला, फिलीपिंस, टोगो, मैड्रीड ,स्पेन, लन्दन, और न्यूयार्क के करोड़ो लोगों ने हिस्सा लिया। विकास के इस अंधी दौड़ में पेड़ो की अंधाधुन कटाई,वातावरण में कार्बन मोनो अक्साइड, कार्बन डाई आक्साइड, सल्फर ,सीसा, पारा आदि के साथ -साथ कल-कारखानों के द्वारा धुआ एवं कचरा,कृषि में कीटनाशकों का अधिकाधिक प्रयोग आदी से धरती की बाह्य एवं आन्तरिक दशा काफी दयनीय हो रही है।

पर राष्ट्रव्यापी जन साधारण प्रदर्शन किया जायेगा। उनकी मुहिम रंग लायी और इसमें 20 लाख से अधिक लोगो ने भाग लिया। और उनके समर्थन में जानेमाने फिल्म और टी.वी. के अभिनेता एड्डी अल्बर्ट ने पृथ्वी दिवस के निर्माण में एक अहम भूमिका अदा किया। यही कारण है कि उनके जन्म दिन 22 अप्रैल के अवसर पर 1970 के बाद हर साल पृथ्वी दिवस मनाया जाने लगा। एल्वर्ट को टी.वी.शो ग्रीन एकर्स में भूमिका के लिए भी जाना जाता है। 141 देशों के पहल पर 1990 में 22 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्तर पर पर्यवरण के मुद्दो को उढाया गया जिसमें पुनः चक्रीकरण के प्रयास को उत्साहित किया गया। और 1992 में रियो दी जेनेरियो में संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे करवाया। इस सम्मेलन मे ग्लोबल वार्मिंग एंव स्वच्छ उर्जा को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया। सन 2000 में इंटरनेट ने पूरी दुनिया के कार्यकर्ताओं को एक मंच पर जोड़ने में मदद की जिससे यह मुद्दा ग्लोबल हो गया। वर्ष 2000 में 22 अप्रेल को 500 समुह 192 देशों के करोड़ो लोगो ने पृथ्वी की इस दशा को सुधारने के लिए दुनिया के तमाम देश चिंतित है। उनमें भारत भी एक है। गांधी जी ने भी पर्यावरण पर चिंता ब्यक्त करते हुए पृथ्वी मां की रक्षा के लिए सकारात्मक कदम उठाने की वकालत की थी। इसके लिए काफी प्रयास भी हुए । प्रौद्योगिकी मंत्रालय से पर्यावरण एवं कृषि मंत्रालय से वन विभाग काटकर तात्कालिन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नेतृत्व में 1986 में एक अगल मंत्रालय पर्यावरण एव वन मंत्रालय का गठन किया गया। इसके बाद जल संरक्षण,भूमि संरक्षण और एंव वायु संरक्षण,वन संरक्षण आदि के लिए काफी नियम बनाये गए ।फिर भी पृथ्वी से अवैध खनन जारी है।इसके रोकने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाना होगा तभी इस माँ रुपी पृथ्वी को बचाया जा सकता है। वरना पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी के नष्ट होनो से समस्त जीव जन्तु नष्ट हो जायेगे। इसके लिए जरुरी है कि जीवों के इस संकट को समझना ही होगा और पृथ्वी के प्रति अपना दायित्व निभाना होगा तभी पृथ्वी बच पायेगी और जीवों का कल्याण हो पायेगा।

संतों की ई एम आई और मोक्ष का पैकेज

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

स्वामी डिजिटलानंद का आश्रम किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी के मुख्यालय जैसा दिखता था। वहां मोक्ष की प्राप्ति के लिए कस्टमर केयर नंबर दिए गए थे। मदनलाल, जो अपने जीवन के पापों से डरा हुआ था,आश्रम पहुंचा। उसे एक रिसेप्शनिस्ट मिली,जिसने वैराग्य का मेकअप कर रखा था। उसने पूछा,सर,आप कौन सा निर्वाण पैकेज लेना चाहेंगे? हमारे पास सिल्वर,गोल्ड और प्लैटिनम श्रेणी है। मदनलाल ने पूछा,इनमें फर्क क्या है? रिसेप्शनिस्ट ने समझाया, सिल्वर में आपको 100 साल स्वर्ग मिलेगा,पर वहां आपको कॉमन डोरमेटरी में रहना होगा। गोल्ड में प्राइवेट क्लाउड मिलेगा और प्लैटिनम में आप सीधे ईश्वर के साथ सेल्फी ले सकेंगे और इसे सीधे पृथ्वी पर कास्ट कर सकेंगे। मदनलाल ने अपनी सारी जमा-पूंजी प्लैटिनम पर लगा दी। स्वामी जी ने उसे एक मंत्र दिया और कहा, इसकी ईएमआई हर महीने भरते रहना, वरना आपका पुण्य फ्रीज हो जाएगा। कुछ दिनों बाद मदनलाल को पता चला कि स्वर्ग में भी नेटवर्क की समस्या है। उसे सपने में चित्रगुप्त दिखे, जिन्होंने बताया कि स्वामी जी का स्वर्ग के साथ अनुबंध पिछले साल ही खत्म हो चुका है। मदनलाल आश्रम भागा, पर वहां अब स्वामी ई-कॉमर्स का बोर्ड लगा था। स्वामी जी अब पाप-मुक्ति की जगह ईमानदारी बेच रहे थे, क्योंकि बाजार में अब उसी की कमी थी। मदनलाल को समझ आया कि जो शांति उसे अपने घर के आंगन में मुफ्त मिल सकती थी, उसे खरीदने के चक्कर में वह स्पिरिचुअल लोन के जाल में फंस गया है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

त्योहारों पर 'कल्चरल अटैक'

डॉ. प्रियंका सौरभ,हिसार, हरियाणा

भारत की सांस्कृतिक संरचना में त्योहारों का स्थान केवल आनंद और उत्सव तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज की ऐतिहासिक स्मृति, आर्थिक संरचना, प्रकृति के साथ संबंध और मानवीय संवेदनाओं के गहरे ताने-बाने से जुड़े होते हैं। यहाँ त्योहार जीवन के हर पहलू को स्पर्श करते हैं–खेती, ऋतु परिवर्तन, पारिवारिक संबंध, सामूहिकता और आस्था। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठाया जाने लगा है कि क्या हमारे पारंपरिक त्योहार अपनी मूल आत्मा से दूर होते जा रहे हैं? क्या उन पर एक प्रकार का 'कल्चरल अटैक' हो रहा है, जो धीरे-धीरे उनकी असल पहचान को बदल रहा है? 'कल्चरल अटैक' शब्द भले ही आक्रामक प्रतीत होता हो, लेकिन इसका आशय किसी एक वर्ग या समूह पर आरोप लगाना नहीं है। यह उस धीमी, सूक्ष्म और कई बार अनदेखी प्रक्रिया की ओर संकेत करता है, जिसके माध्यम से परंपराएँ अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से हटकर नए अर्थ ग्रहण करने लगती हैं। यह परिवर्तन कभी स्वाभाविक होता है, तो कभी सुनियोजित आर्थिक और वैचारिक प्रभावों का परिणाम भी हो सकता है।भारतीय त्योहारों की जड़ें मुख्यतः कृषि और प्रकृति से जुड़ी रही हैं। देश का अधिकांश समाज सदियों तक कृषि-आधारित रहा है, इसलिए फसल, मौसम और भूमि के साथ उसका गहरा रिश्ता रहा। फसल कटने की खुशी, नई बुवाई की शुरुआत, वर्षा के आगमन का स्वागत–ये सब त्योहारों के माध्यम से व्यक्त होते थे। इन उत्सवों में किसान केंद्र में होता था, क्योंकि वही अन्न का उत्पादक था और वही समाज की जीवन-रेखा को बनाए रखता था। ऐसे त्योहारों में आडंबर कम और सहभागिता अधिक होती थी। लोग मिलकर गाते-बजाते, सामूहिक भोज करते और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते थे। लेकिन जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण बढ़ा, औद्योगिकीकरण हुआ और बाजार की ताकतें मजबूत हुईं, त्योहारों का स्वरूप भी बदलने लगा। अब त्योहारों को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक दृष्टि से नहीं, बल्कि आर्थिक अवसर के रूप में भी देखा जाने लगा। बाजार ने त्योहारों को उपभोग से जोड़ दिया–जहाँ खरीदारी, सजावट और प्रदर्शन को प्रमुखता मिलने लगी। त्योहारों के साथ 'ऑफर', 'डिस्काउंट' और 'शुभ खरीदारी' जैसे विचार जुड़ गए, जिसने उनके मूल स्वरूप को प्रभावित किया। यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है, बल्कि मानसिकता में भी आया है। पहले त्योहारों का अर्थ था–मिलना-जुलना, साझा करना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना। अब कई जगहों पर यह प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुका है–किसने कितना खर्च किया, किसने क्या खरीदा, किसका आयोजन कितना भव्य था। इस प्रक्रिया में त्योहारों की आत्मा कहीं पीछे छूटती चली गई। त्योहारों पर 'कल्चरल अटैक' की चर्चा करते समय एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है–लोक परंपराओं का हाशिए पर जाना। भारत में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट परंपराएँ रही हैं, जो स्थानीय जीवनशैली, भाषा और संसाधनों से जुड़ी होती थीं। लेकिन आज मीडिया और बाजार के प्रभाव में एक प्रकार की सांस्कृतिक एकरूपता देखने को मिल रही है।

बाइक चोरी का खुलासा,2 आरोपी गिरफ्तार

जिला अस्पताल व मिशन अस्पताल से चुराई थीं गाडियां,7 बाइक बरामद

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

शहर में लगातार हो रही दोपहिया वाहन चोरी के मामलों में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना लुंड्रा और मणिपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, भगवानपुर सुभाषनगर निवासी शिवम रवानी की बाइक 9 अप्रैल को जिला अस्पताल परिसर से चोरी हो गई थी। मामले में मणिपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेही दीपक प्रजापति (23) निवासी बरगीडीह, थाना लुंड्रा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने शहर और आसपास के क्षेत्रों से बाइक चोरी करना स्वीकार किया। उसने बताया कि फरवरी माह में ग्राम चांदो (लखनपुर) में अपने साथियों के साथ मिलकर पहली बाइक चोरी की थी, जिसके बाद लगातार अलग-अलग स्थानों को निशाना बनाया। आरोपी ने मिशन अस्पताल, जिला अस्पताल और महामाया चौक सहित अन्य जगहों से कुल 7 बाइक चोरी की। इनमें से 6 बाइक उसने अपने घर में छुपाकर रखी थी,जबकि एक बाइक अपने साथी जावेद खान (28) निवासी बरगीडीह को दे दी थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से सभी बाइक जब्त कर ली हैं। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुन्ड्रा निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक सीपी तिवारी,साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा,सहायक उप निरीक्षक अनिल सिंह,प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान्,नरेन्द्र जांगड़े,देवनारायण चौधरी, विकास सिन्हा,रजनीकांत मिश्रा, सतीश सिंह, सूरज राय, अजय पाण्डेय,आरक्षक उमाशंकर साहू,रामशंकर यादव, निरंजन बड़ा,मनीष सिंह,अशोक यादव,विकास मिश्रा,अनिल सिंह,रामकेश्वर,अरविन्द, इबनुल खान एवं अन्य स्टाप सक्रिय रहे।

अंबिकापुर में गांजा तस्करी का खुलासा,2 आरोपी गिरफ्तार

3.4 किलो गांजा, स्कूटी और नकदी जब्त,सप्लायर भी पुलिस गिरफ्त में...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने अवैध गांजा तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3 किलो 400 ग्राम गांजा, एक स्कूटी,नकदी और मोबाइल जब्त किया है। जब्त मशरुका की कुल कीमत करीब 1 लाख 25 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस के अनुसार 20 अप्रैल को मुखबिर से सूचना मिली कि घुटरापारा नहर रोड पर एक युवक सफेद रंग की स्कूटी में गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर टीम ने मौके पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम शाहबाज आलम (24) निवासी मोमिनपुरा अंबिकापुर बताया। तलाशी लेने पर स्कूटी की डिक्की से 3.4 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 70 हजार रुपए है। साथ ही घटना में प्रयुक्त स्कूटी (कीमत करीब 50 हजार रुपए) भी जब्त की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह गांजा मोमिनपुरा निवासी मो. इजाज से 8 हजार रुपए में खरीदा था और बाकी रकम बिक्री के बाद देने की बात तय हुई थी। इसके आधार पर पुलिस ने सप्लायर मो. इजाज (47) को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने लैलूंगा से गांजा लाकर बेचने की बात कबूल की। पुलिस ने सप्लायर के पास से 8 हजार रुपए नकद और एक मोबाइल भी जब्त किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारी और जवान सक्रिय रूप से शामिल रहे।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सीतापुर के सरईपारा में सुबह हुआ हादसा,चालक ट्रक छोड़कर फरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

नेशनल हाइवे 43 पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ग्राम सरईपारा स्थित राइस मिल के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जशपुर जिले के ग्राम लुड़ेग निवासी मुनेश्वर प्रधान (44) सुबह काम के सिलसिले में सीतापुर आया था। काम खत्म कर वह अपनी बाइक (सीजी 13 ए 6414) से वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान सुबह करीब 8 बजे सामने से आ रहे मालवाहक ट्रक (सीजी 29 एबी 0147) से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए, जिससे कुछ देर के लिए हाइवे पर आवागमन बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, भीड़ को नियंत्रित किया और यातायात बहाल कराया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाने ले लिया है। वहीं मृतक के चचेरे भाई की रिपोर्ट पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

ग्रीष्मकालीन प्रतियोगिताओं से निखरेगा विद्यार्थियों का कौशल,27 अप्रैल से होगा विकासखंड स्तरीय आयोजन

-संवाददाता-
एमसीबी,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर अंतर्गत संचालित शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के ज्ञान, रचनात्मकता एवं कौशल विकास को प्रोत्साहित करने हेतु ग्रीष्मकालीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। Language - Numeracy Skill Based Summer Competition 2026 के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। यह प्रतियोगिता जिले के सभी संकुलों के विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ प्रत्येक विकासखंड में 27 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात विकासखंड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी 04 मई 2026 को आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर (कक्षा 3 से 5) एवं माध्यमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के विद्यार्थी सम्मिलित होंगे। इसमें चित्र देखकर कहानी लेखन, प्रश्नोत्तरी, डिक्शनरी खोजो, शब्दों से वाक्य निर्माण, सुडोकू, मापन तथा 'कबाड़ से जुगाड़' जैसी कुल 7 विधाओं में एकल एवं समूह दोनों श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

भीषण गर्मी में पशुओं को हीट स्ट्रोक से बचाने एडवाइजरी जारी

पशुपालन विभाग की अपील-छाया,ठंडा पानी और संतुलित आहार का रखें खास ध्यान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में बढ़ती गर्मी और लू के असर को देखते हुए पशुपालन विभाग ने पशुपालकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने पशुओं को हीट स्ट्रोक (लू) से बचाने के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

अतिरिक्त उपसंचालक डॉ. सीके मिश्रा ने बताया कि अधिक तापमान के कारण पशुओं की सेहत पर बुरा असर पड़ता है और दुग्ध उत्पादन भी घट सकता है। ऐसे में थोड़ी सावधानी से पशुपालक अपने पशुओं को सुरक्षित रख सकते हैं और आर्थिक नुकसान से बच सकते हैं। पशुओं को हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखें। शेड के ऊपर टाट,घास या सफेद पेंट का उपयोग कर तापमान कम किया जा सकता है। दोपहर में पशुओं को धूप में न बांधें। शेड के आसपास छायादार पेड़ होना भी फायदेमंद है। पशुओं को दिन में 3-4 बार ताजा और ठंडा पानी पिलाएं। पानी में नमक, गुड़ या इलेक्ट्रोलाइट मिलाना लाभकारी है। दिन में 1-2 बार पशुओं को नहलाएं। चारा सुबह-शाम दें और आहार में हरा चारा शामिल करें।

लक्षणों को न करें नजरअंदाज : तेज सांस लेना, हांफना,मुंह खोलकर सांस लेना, लार टपकना या सुस्ती दिखना लू के संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत सतर्क हो जाएं।

तुरंत करें इलाज

लक्षण दिखने पर पशु को छाया में ले जाकर सिर और गर्दन पर ठंडा पानी डालें। साथ ही नजदीकी पशु चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें। पशुपालन विभाग ने किसानों से अपील की है कि भीषण गर्मी में पशुधन की विशेष देखभाल करें, ताकि उनकी उत्पादन क्षमता बनी रहे।

स्वास्थ्य कर्मचारियों पर मार्केटिंग का आरोप,3 दिन में जांच रिपोर्ट तलब

संभागीय संयुक्त संचालक के निर्देश शिकायत सही मिली तो होगी कड़ी कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा निजी मार्केटिंग कंपनी से जुड़े होने के आरोपों को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने मामले में तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार लुंड्रा क्षेत्र के धौरपुर-सखौली में पदस्थ स्वास्थ्य कर्मचारियों पर निजी कंपनी के लिए वेलनेस कोच के रूप में काम करने का आरोप लगाया गया है। साथ ही,कर्मचारियों द्वारा अपने फोटो लगे टोकन जारी कर कंपनी का प्रचार-प्रसार करने और सरकारी योजनाओं की तस्वीरों के उपयोग का भी उल्लेख किया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त संचालक ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ),अंबिकापुर को निर्देशित किया है कि सभी बिंदुओं की सूक्ष्म जांच के लिए टीम गठित की जाए। जांच पूरी कर 3 कार्यदिवस के भीतर स्पष्ट अभिमत सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि जांच में शिकायत सही पाई जाती है, तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल हाईवे से स्टॉपर चोरी करने वाला ट्रेलर चालक गिरफ्तार

-संवाददाता-
बलरामपुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगाए गए शासकीय स्टॉपर चोरी करने वाले ट्रेलर चालक को बलरामपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 20 अप्रैल को थाना क्षेत्र के बड़कीमहरी तिराहा के पास ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 07 बीए 2389 के चालक ने वाहन में हुए मामूली नुकसान की भरपाई के लिए हाईवे पर गति नियंत्रण हेतु यातायात पुलिस द्वारा लगाए गए शासकीय स्टॉपर चोरी कर ट्रेलर में लोड कर लिया था। मुखबिर से सूचना मिलने पर यातायात पुलिस ने डुमरखी ढाबा के पास ट्रेलर को रोककर जांच की। इस दौरान वाहन से चोरी किए गए 2 नग स्टॉपर बरामद किए गए। मामले में आरोपी चालक गिरीश नारायण यादव (28), निवासी ग्राम जमुई, थाना सेलमपुर, जिला देवरिया (उत्तरप्रदेश) के खिलाफ अपराध क्रमांक 65/2026 धारा 305 (ई) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 30 हजार रुपए कीमत के 2 स्टॉपर और घटना में प्रयुक्त ट्रेलर वाहन जब्त किया है। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को 21 अप्रैल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जिला जेल भेज दिया गया।

टीएस सिंह के सुझाव पर बनेगा लखनपुर बायपास व लेमरू में वन्यजीव-अनुकूल सडक़

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव द्वारा केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को प्रेषित सुझाव पत्र के उपरांत अब अम्बिकापुर-कटघोरा मार्ग पर प्रस्तावित फोरलेन रोड पर लखनपुर में बाईपास के साथ ही साथ लेमरू प्रोजेक्ट के क्षेत्र में वन्य-जीवन अनुकूल सडक़ का निर्माण होगा। उल्लेखनीय है कि अम्बिकापुर से कटघोरा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130 को अपग्रेड कर इसे फोरलेन में बदलने की स्वीकृति हो गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग सलाहकार कंपनी के माध्यम से इसके डीपीआर पर काम कर रही है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग का एक बड़ा हिस्सा सरगुजा, सूरजपुर एवं कोरबा जिले में उस वन्यक्षेत्र से गुजरता है जिसे लेमरू हाथी प्रोजेक्ट क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया है। अतिरिक्त इस मार्ग पर सरगुजा जिले में लखनपुर बस्ती भी है जहां बायपास के अभाव में यातायात का भारी दबाव नगर के बीच से गुजरने वाले मुख्य मार्ग पर है, जिसपर आएदिन सडक़ दुर्घटना में आमजन को जानमाल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन परिस्थितियों को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने 8 मार्च को केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को एक पत्र प्रेषित कर 2 बिंदुओं पर अपना सुझाव दिया था। पहला सुझाव लखनपुर नगर पंचायत क्षेत्र को यातायात के दबाव से मुक्त करने के लिए यहां बायपास बनाने का था। वहीं दूसरा सुझाव लेमरू हाथी रिजर्व क्षेत्र में इस सडक़ के विस्तार को लेकर था। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह सुझाव दिया था कि इस क्षेत्र में बन रहे इस फोरलेन सडक़ को भारत माला प्रोजेक्ट के उन नॉर्म के तहत बनाया जाये जिससे इस क्षेत्र के वन्यजीवों को संरक्षण मिले। उन्होंने सुझाव देते हुए पत्र में उल्लेख किया था कि लेमरू हाथी प्रोजेक्ट क्षेत्र में एनिमल बेरिकेटिंग के साथ ही पर्याप्त संख्या में एनिमल अंडरपास बनाये जाएं। पूर्व उपमुख्यमंत्री के सुझावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने 20 अप्रैल को इस मार्ग के लिए डीपीआर बना रही सलाहकार संस्था को इस अनुरूप आवश्यक संसोधन कर डीपीआर देने हेतु पत्र जारी किया, साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को इस बात से अवगत कराया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री का आभार जताया है कि उन्होंने इस क्षेत्र के निवासियों और उनके पर्यावरणीय हितों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है।

नलजल योजना के पानी विवाद ने लिया हिंसक रूप,युवक का सिर फोड़ा

-संवाददाता-
कुसमी,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के ग्राम इंदरीकला में नलजल योजना के पानी को लेकर विवाद हिंसक हो गया। दबंगों ने एक युवक के साथ मारपीट कर पत्थर से उसका सिर फोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ग्रामीणों के साथ कलेक्टर और एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम इंदरीकला नवापारा निवासी मोहम्मद तौफीक ने बताया कि गांव में नलजल योजना के तहत बनी पानी टंकी से पेयजल सप्लाई को लेकर ग्रामीणों ने सरपंच से शिकायत की थी। आरोप है कि गांव के इस्लाम और यासीन अंसारी पानी का उपयोग अपनी खेती के लिए अधिक मात्रा में कर रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। बताया गया कि 20 अप्रैल को इसी मुद्दे पर बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया। आरोपियों ने मोहम्मद तौफीक के साथ मारपीट की और पत्थर मारकर उसका सिर फोड़ दिया। साथ ही ज्यादा नेता बनने की बात कहकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने घटना की शिकायत कुसमी थाना में लिखित आवेदन देकर की है। साथ ही सुरक्षा की मांग को लेकर बलरामपुर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को भी आवेदन सौंपा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाने के कारण पुरानी रंजिश में यह हमला किया गया है।

850 तीर्थयात्रियों को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई विशेष ट्रेन

महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए किया रवाना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित श्री रामलला (अयोध्या धाम) दर्शन योजना के तहत आज सरगुजा संभाग के अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन से 850 तीर्थयात्रियों को लेकर एक विशेष ट्रेन अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को अम्बिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया।

सांसद ने यात्रियों से की मुलाकात

ट्रेन के प्रस्थान से पूर्व सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने स्टेशन परिसर में तीर्थयात्रियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने यात्रियों का कुशलक्षेम जाना और उनकी सुखद व मंगलमय यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सरगुजा संभाग के अंतर्गत जिलों के लिए शासन द्वारा कुल 850 यात्रियों का कोटा निर्धारित किया गया है, जिसमें सरगुजा के लिए 170, जशपुर के लिए 204, बलरामपुर-रामानुजगंज के लिए 164,मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के लिए 57,कोरिया के लिए 108 तथा सूरजपुर के लिए 147 यात्रियों की संख्या तय की गई है। जिला स्तरीय नोडल अधिकारी एवं उप संचालक समाज कल्याण विभाग, श्री वी.के. उके ने बताया कि सरगुजा जिले से कुल 138 तीर्थयात्री इस जत्थे में शामिल हैं। ब्लॉकवार यात्रियों का विवरण देते हुए बताया कि जनपद पंचायत अम्बिकापुर : 17 यात्री उदयपुर : 18 यात्री, लखनपुर : 14 यात्री, लुण्ड्रा : 13 यात्री, बतौलीः 11 यात्री,सीतापुर : 11 यात्री,मैनपाटः 12 यात्री,नगर निगम अम्बिकापुरः 30 यात्री नगर पंचायत लखनपुरः 05 यात्री और नगर पंचायत सीतापुरः 07 यात्री शामिल हुए हैं।

वापसी और व्यवस्थाएं

श्री रामलाल दर्शन योजना से तीर्थ यात्री का दल 24 अप्रैल 2026 को वापस लौटेगा। ट्रेन रवानगी के इस गरिमामयी अवसर पर नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, क्षेत्रीय अधिकारी (टूरिज्म बोर्ड) श्री आशीष वर्मा, जिले के जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण सहित रेलवे, आई.आर.सी.टी.सी. और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंबिकापुर में निजी स्कूल के खिलाफ शिकायत,युवा कांग्रेस नेता ने एफआईआर की मांग की

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव विष्णु सिंह देव ने शहर के एक निजी विद्यालय के खिलाफ थाना कोतवाली में शिकायत आवेदन देकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में विद्यालय पर कथित भेदभाव, अवैध संचालन और आर्थिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।विष्णु सिंह देव ने आरोप लगाया है कि विद्यालय ने एक बच्चे को स्थानीय भाषा बोलने के आधार पर प्रवेश देने से इंकार किया, जो शिक्षा के अधिकार और समानता के सिद्धांतों के विपरीत है। साथ ही विद्यालय के बिना वैध मान्यता लंबे समय से संचालित होने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में विद्यालय द्वारा फीस, किताब, ड्रेस और अन्य मदों में अभिभावकों से बड़ी राशि वसूले जाने की जांच की मांग की गई है। इसके अलावा जिला शिक्षा अधिकारीकी भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की मांग उठाई गई है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि यदि प्रशासन उचित कार्रवाई नहीं करता है तो मामले को न्यायालय तक ले जाया जाएगा। फिलहाल प्रशासन और विद्यालय प्रबंधन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

CMYK

01 मई से 10 जून तक ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में लगेंगे शिविर

सुशासन शिविर में लोगों की समस्याओं का किया जाएगा समाधान : जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार

-संवाददाता-
जशपुरनगर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर सुशासन शिविर के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से इस वर्ष भी 'सुशासन तिहार 2026' के आयोजन व्यापक पैमाने पर किया जाएगा। इस संबंध में सभी जनपद पंचायत सीईओ को शिविर के लिए ग्राम पंचायतों में जगह का चिन्हांकन करने और अभियान के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को पारदर्शी, सरल एवं त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गत वर्ष आयोजित सुशासन तिहार के सकारात्मक परिणामों को देखते हुए इस वर्ष इसे और अधिक व्यापक रूप में संचालित किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि 30 अप्रैल तक लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाना है। इसके साथ ही विगत वर्ष के सुशासन शिविर के लंबित प्रकरणों का भी निराकरण गंभीरता से करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में बताया गया की आगामी 30 अप्रैल 2026 तक जिले में लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। इसके अंतर्गत भूमि संबंधी प्रकरण जैसे नामांतरण,बंटवारा, सीमांकन,मनरेगा अंतर्गत लंबित मजदूरी भुगतान, हितग्राही मूलक योजनाओं के लंबित भुगतान,आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र, बिजली एवं ट्रांसफार्मर संबंधी समस्याएं तथा हैंडपंप सुधार जैसे मुद्दों का प्राथमिकता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर

सहायक कलेक्टर श्री अनिकेत अशोक,अपर कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार साहू सभी एसडीएम और जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

01 मई से 10 जून तक लगेंगे जन समस्या निवारण शिविर : सुशासन तिहार के अंतर्गत 01 मई से 10 जून 2026 तक प्रदेशभर में जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड क्लस्टर के आधार पर शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ वितरण किया जाएगा। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का अधिकतम एक माह के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक आवेदक को उसके आवेदन की स्थिति की जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान मंत्री गण, सांसद एवं विधायक गण, मुख्य सचिव एवं प्रभारी सचिव समय-समय पर शिविरों में शामिल होकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे और आमजन से संवाद स्थापित करेंगे।

मुख्यमंत्री करेंगे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण एवं समीक्षा बैठकें

अभियान के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय स्वयं विभिन्न जिलों में पहुंचकर विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन का औचक निरीक्षण करेंगे तथा हितग्राहियों से फीडबैक लेंगे। इसके साथ ही जिला मुख्यालयों पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर समाधान शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा निरीक्षण एवं समीक्षा बैठक के उपरांत प्रेस वार्ता को संबोधित किया जाएगा तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से भेंट कर सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। जिला पंचायत सीईओ ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में आश्रम छात्रावास के नोडल अधिकारी को हास्टल का निरीक्षण करने करके दिए गए 112 बिन्दुओं की जानकारी देने के दिए निर्देश।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आगडीह एयरस्ट्रिप पहुंचे,हुआ आत्मीय स्वागत

-संवाददाता-
जशपुरनगर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आगडीह एयरस्ट्रिप पहुंचे। जहां जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। स्वागत करने वालों में सांसद श्री राधेश्याम राठिया, विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जूदेव, आईजी श्री दीपक कुमार झा, कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह, वनमण्डलाधिकारी श्री शशि कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि गण और अधिकारी शामिल थे।

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल को,19 केंद्रों पर 4,855 अभ्यर्थी होंगे शामिल

-संवाददाता-
कोरिया/सूरजपुर, 21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन आगामी 26 अप्रैल (रविवार) को किया जाएगा, परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं, जिले में कुल 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 4,855 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। वहीं यह परीक्षा प्रदेश के 16 जिलों में एक साथ आयोजित की जा रही है।

सुबह 10 से 12:15 बजे तक होगी परीक्षा

परीक्षा का समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक निर्धारित किया गया है, प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्रों का मुख्य द्वार सुबह 9:30 बजे बंद कर दिया जाएगा, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा, ऐसे में सभी अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले केंद्र पहुंचने की सख्त हिदायत दी गई है।

2 घंटे पहले पहुंचे परीक्षा केंद्र

जिला प्रशासन ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा शुरू होने से कम से कम 2 घंटे पहले अपने परीक्षा केंद्र पहुंचें, इससे फ्रिस्किंग और फोटोयुक्त मूल पहचान पत्र के सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सकेगी, साथ ही,अभ्यर्थियों को परीक्षा से एक दिन पहले अपने केंद्र का अवलोकन करने के निर्देश दिए गए हैं,ताकि परीक्षा दिवस पर किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कड़े नियमों का करना होगा पालन-परीक्षा में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ड्रेस कोड के तहत अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर आना अनिवार्य होगा, जबकि गहरे रंग के कपड़े प्रतिबंधित रहेंगे,फुटवियर के रूप में केवल चप्पल की अनुमति होगी,इसके अलावा किसी भी प्रकार के आभूषण,विशेषकर कान के आभूषण, पहनने की मनाही रहेगी।

प्रतिबंधित वस्तुओं पर पूरी रोक

परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण,घड़ी,पर्स, बेल्ट,टोपी,स्कार्फ आदि ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है,केवल काला या नीला बॉल पेन ही साथ लाने की अनुमति दी गई है,अनुचित साधनों का उपयोग करते पाए जाने पर अभ्यर्थिता निरस्त करने की चेतावनी भी प्रशासन ने दी है।

सुरक्षा और निगरानी के पुख्ता इंतजाम

परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं,सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में वीक्षक तैनात किए जाएंगे, अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रशिक्षण 24 एवं 25 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा,इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी और महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी, ताकि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

प्रशासन की अपील

जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और समय का विशेष ध्यान रखें,समय पर केंद्र पहुंचकर सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने से किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सकता है,यह परीक्षा हजारों अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, ऐसे में अनुशासन और नियमों का पालन ही सफलता की पहली शर्त होगी।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक संपन्न...

सांसद श्री राठिया ने केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के दिए निर्देश

-संवाददाता-
जशपुरनगर,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक आज लोक सभा क्षेत्र रायगढ़ के सांसद श्री राधेश्याम राठिया की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। सांसद श्री राठिया ने सभी अधिकारियों को केन्द्र और राज्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जल संरक्षण संवर्धन के कार्यों को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए कहा ताकि भू-जल स्तर अच्छा हो सके और किसानों को खेती बाड़ी करने में आसानी हो। जशपुर में सड़क दुघर्टना को रोकने के लिए भी बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जशपुर के विकास कार्यों के लिए हर संभव सहायता करने की बात कही। इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनि भगत,नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत,नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री यश प्रताप सिंह जुदेव जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री शौर्य प्रताप सिंह जुदेव,कलेक्टर श्री रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह डीएफओ श्री शशि कुमार जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार और सभी जिला स्तरीय अधिकारीगण बैठक में उपस्थित थे। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने बताया कि बगीचा विकास खंड के नहरों का जीर्णोद्धार करने के लिए मनरेगा और जल संसाधन विभाग की टीम गठित की जाएगी और छूटे हुए नालों का चिन्हांकन किया जाएगा और शीघ्र ही प्रस्ताव शासन को भेज दिया जाएगा ताकि किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत सड़कों के कार्यों को गंभीरता से लेते हुए समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाएगा। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत पात्र हितग्राहियों को पेंशन दिया जा रहा है। जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत कुल 1 लाख 99 हजार 940 घरेलू नल कनेक्शन में 1 लाख 44 हजार 358 घरेलू नल कनेक्शन पूर्ण कर लिया गया है।

जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 85 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। एनआरएलएम योजना के तहत 1 लाख 45 हजार 775 दिए गए लक्ष्य में 1 लाख 39 हजार 651 पूर्ण कर लिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब तक 1 लाख 18 हजार 820 दिए गए लक्ष्य में से 90 हजार 630 आवास पूर्ण कर लिया गया है। प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत 2 हजार 40 दिए गए लक्ष्य में से 1 हजार 334 आवास पूर्ण कर लिया गया है।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत दिए गए 606 लक्ष्य में से 260 आवास पूर्ण कर लिया गया है। सांसद श्री राठिया ने दिशा की बैठक में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना,स्वस्थ भारत मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकी करण कार्यक्रम,प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,सर्व शिक्षा अभियान, महिला बाल विकास विभाग,मिड डे मील योजना,प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, खनिज न्यास निधि, एकीकृत विद्युत विकास योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, परंपरागत कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना,आदि विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा किए ।

टीबी मुक्त भारत अभियान (100 दिवसीय) के दूसरे चरण का शुभारंभ,हाई रिस्क क्षेत्रों में विशेष स्क्रीनिंग अभियान जारी

-संवाददाता-
एमसीबी,21 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय विशेष अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ 24 मार्च 2026 को किया गया। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में जिले में टीबी उन्मूलन हेतु व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत 25 मार्च 2026 से जिले के हाई रिस्क ग्रामों में आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित कर हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से सघन स्क्रीनिंग की जा रही है। अब तक जिले के 18 हाई रिस्क ग्रामों में शिविर लगाकर कुल 1386 व्यक्तियों का एक्स-रे परीक्षण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त उप जेल मनेन्द्रगढ़ में भी विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर 128 बंदियों की हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन से स्क्रीनिंग की गई। संदिग्ध मामलों की पुष्टि के लिए 546 संभावित टीबी मरीजों की NAAT जांच कराई गई,जिसमें 17 नए टीबी मरीजों की पहचान कर उनका उपचार प्रारंभ कर दिया गया है।

सघन सर्वे एवं चिन्हांकन पर विशेष जोर

अभियान के तहत आगामी दिनों में सभी हाई रिस्क ग्रामों में आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन जारी रहेगा। साथ ही स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों द्वारा घर-घर जाकर स्क्रीनिंग की जा रही है। उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों का प्रपत्र तैयार कर 'निक्षय आईडी' के माध्यम से उन्हें चिन्हित किया जा रहा है तथा आवश्यकतानुसार एक्स-रे एवं जांच सुनिश्चित की जा रही है।

जनभागीदारी से मिलेगा अभियान को बल

जिला प्रशासन ने आमजन, जनप्रतिनिधियों, संस्थाओं एवं कॉरपोरेट संगठनों से अपील की है कि वे 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को गोद लें और उन्हें पोषण आहार उपलब्ध कराएं। इससे मरीजों के उपचार में तेजी आएगी और अभियान को सफलता मिलेगी। प्रशासन द्वारा विश्वास व्यक्त किया गया है कि जनसहभागिता एवं सतत प्रयासों के माध्यम से जिले को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर हुआ जा सकेगा।

चिलचिलाती धूप में जनसेवा की मिसाल....सांसद
चिंतामणि महाराज का भावुक कर देने वाला सूरजपुर प्रवास

सुख-दुख में साथ सूरजपुर में सांसद चिंतामणि महाराज का संवेदनशील दौरा

प्रोटोकॉल से परे जनसेवा गांव-गांव पहुंचे सांसद चिंतामणि महाराज

बिना बुलाए पहुंचे सांसद,ग्रामीण बोले–ऐसा जनप्रतिनिधि पहली बार देखा

शादी हो या शोक,हर जगह पहुंचे सांसद चिंतामणि महाराज

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
तपती धूप, व्यस्त कार्यक्रम और लगातार दौरे के बीच यदि कोई जनप्रतिनिधि बिना औपचारिकता के आम लोगों के सुख-दुःख में शामिल हो जाए,तो वह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि संवेदनशील जनसेवा का उदाहरण बन जाता है,ऐसा ही दृश्य हाल ही में सूरजपुर जिले में देखने को मिला, जहां सांसद चिंतामणि महाराज का दौरा जनमानस के दिलों को छू गया।

संगठनात्मक कार्यक्रमों से शुरू हुआ दौरा

जारी कार्यक्रम के तहत सांसद ने अपने प्रवास की शुरुआत भाजपा जिला कार्यालय में उपस्थिति दर्ज कर संगठनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर की। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की,इसके बाद वे विभिन्न सामाजिक आयोजनों में शामिल हुए और स्थानीय स्तर पर अपनी सक्रियता दिखाई।

विवाह समारोहों में दी शुभकामनाएं

अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सांसद ने भाजपा जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग के परिवार में आयोजित वैवाहिक समारोह में भाग लेकर नवदंपति को आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही भैयाथान में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी अमन प्रताप सिंह के विवाह समारोह में भी उन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई, इसके अतिरिक्त उन्होंने ग्राम पंचायत रैसरी में रामकुमार पैकरा की पुत्री ज्योति, ग्राम पंचायत चेन्द्रा में रामरतन की पुत्री ललिता,ग्राम भाड़ी में शिवनंदन राम की पुत्री दिया कुमारी और रामबरन पैकरा की पुत्री के विवाह समारोह में भी शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

शोक की घड़ी में भी पहुंचे संवेदना व्यक्त करने

इस दौरे का सबसे भावुक पहलू तब सामने आया, जब व्यस्त कार्यक्रमों के बीच सांसद को सूरजपुर नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी प्रहलाद राय अग्रवाल के परिवार में शोक की सूचना मिली,सूचना मिलते ही उन्होंने अपने कार्यक्रम में बदलाव किया और तुरंत शोकाकुल परिवार के बीच पहुंच गए, उन्होंने के.के. अग्रवाल की धर्मपत्नी के निधन पर परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं,उनके इस आत्मीय व्यवहार ने शोक संतप्त परिवार को संबल दिया और वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

बिना निमंत्रण गांव-गांव पहुंचना बना चर्चा का विषय

इस पूरे दौरे की सबसे खास बात यह रही कि सांसद कई स्थानों पर बिना किसी औपचारिक निमंत्रण के पहुंचे। ग्रामीणों ने भावुक होकर कहा कि उनके जैसे साधारण परिवारों के घर सांसद का आना किसी सपने से कम नहीं है,ग्रामीणों का कहना था कि आज तक ऐसा बहुत कम देखने को मिला है कि कोई जनप्रतिनिधि बिना बुलाए उनके सुख-दुःख में शामिल हो,सांसद का यह व्यवहार लोगों के बीच गहरी छाप छोड़ गया है।

चिलचिलाती धूप में लगातार जनसंपर्क

=तेज गर्मी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद सांसद का लगातार गांव-गांव जाकर लोगों से मिलना, उनका हालचाल जानना और हर वर्ग के बीच सहजता से घुलना-मिलना यह दर्शाता है कि उनका जुड़ाव केवल औपचारिक नहीं,बल्कि वास्तविक है, यह दौरा इस बात का प्रमाण बनकर सामने आया कि जनप्रतिनिधि यदि चाहे तो सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों में भी जनता के बीच सक्रिय रह सकता है।

जनता के बीच बढ़ी सराहना

सांसद चिंतामणि महाराज के इस दौरे की चर्चा अब पूरे क्षेत्र में हो रही है,लोग खुले तौर पर उनकी सराहना कर रहे हैं और इसे जनसेवा की सच्ची मिसाल बता रहे हैं, स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे जनप्रतिनिधि ही लोकतंत्र की वास्तविक ताकत होते हैं,जो केवल मंचों तक सीमित न रहकर सीधे जनता के बीच पहुंचते हैं और उनके सुख-दुःख में सहभागी बनते हैं।

संवेदनशील नेतृत्व की झलक-

सूरजपुर में सांसद का यह प्रवास केवल एक औपचारिक दौरा नहीं रहा, बल्कि यह संवेदनशील नेतृत्व का उदाहरण बन गया है, चाहे विवाह का अवसर हो या शोक की घड़ी–हर परिस्थिति में उपस्थित रहकर उन्होंने यह संदेश दिया कि सच्चा जनप्रतिनिधि वही है, जो हर समय जनता के साथ खड़ा रहे, उनका यह दौरा आने वाले समय में जनप्रतिनिधियों के लिए एक मानक के रूप में देखा जा सकता है, जहां जनसेवा केवल शब्दों तक सीमित न होकर व्यवहार में भी दिखाई देती है।

छात्र हित में बड़ा फैसला : आउट ऑफ सिलेबस प्रश्नों पर हजारों छात्रों को मिले 7 बोनस अंक

-संवाददाता-
सूरजपुर,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
जिले में कक्षा चौथी की वार्षिक परीक्षा 2026 के हिंदी प्रश्नपत्र में सामने आई गंभीर त्रुटि के बाद शिक्षा विभाग ने छात्र हित में बड़ा और राहतभरा निर्णय लिया है,प्रश्नपत्र में आउट ऑफ सिलेबस पूछे गए 7 अंकों के प्रश्नों को लेकर उठे विवाद के बाद अब जिले के सभी विद्यार्थियों को 7 बोनस अंक प्रदान करने के आदेश जारी किए गए हैं,इस निर्णय से हजारों छात्रों को सीधा लाभ मिला है और परीक्षा परिणाम पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सूरजपुर में आउट ऑफ सिलेबस प्रश्नों को लेकर सामने आया यह मामला अब एक सकारात्मक उदाहरण बन गया है,एक शिक्षक की सजग पहल और प्रशासन की त्वरित कार्रवाई ने यह साबित कर दिया कि छात्र हित सर्वोपरि है,यह घटना न केवल व्यवस्था में सुधार का संकेत देती है, बल्कि भविष्य में ऐसी त्रुटियों से बचने के लिए भी एक सीख के रूप में देखी जा रही है।

प्रश्नपत्र में सामने आई गंभीर त्रुटि

जानकारी के अनुसार, कक्षा चौथी के हिंदी प्रश्नपत्र में कुल 7 अंकों के तीन प्रश्न ऐसे पूछे गए थे, जो निर्धारित पाठ्यक्रम से बाहर थे, इतना ही नहीं, ये प्रश्न छत्तीसगढ़ी भाषा के पाठों से जुड़े थे,जबकि सूरजपुर जिला सरगुजा संभाग में आता है, जहां सरगुजिहा आधारित पाठ्यक्रम लागू है,इस विसंगति के कारण परीक्षा के दौरान छात्रों के बीच भ्रम की स्थिति बनी रही और कई विद्यार्थियों को प्रश्न समझने में कठिनाई हुई,इसका सीधा असर उनके प्रदर्शन पर पड़ने की आशंका जताई गई।

प्रधान पाठक की पहल बनी बदलाव का कारण

इस पूरे मामले को शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ के प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने

गंभीरता से उठाया,उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी, सूरजपुर को पत्र लिखकर इस त्रुटि की जानकारी दी और छात्रों के हित में तत्काल समाधान की मांग की,उन्होंने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र में शामिल प्रश्न क्षेत्रीय पाठ्यक्रम के अनुरूप नहीं हैं और इससे विद्यार्थियों के साथ अन्याय हो सकता है,साथ ही उन्होंने मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता भी बताई।

जांच में सही पाई गई शिकायत

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने तुरंत जांच दल गठित किया, जांच के दौरान यह स्पष्ट हो गया कि प्रश्न वास्तव में निर्धारित पाठ्यक्रम और स्वीकृत पाठ्यपुस्तक के अनुरूप नहीं थे, जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि क्षेत्रीय भाषा आधारित पाठ्यक्रम की अनदेखी की गई, जो एक गंभीर शैक्षणिक त्रुटि है।

छात्र हित में 7 बोनस अंक देने का निर्णय

जांच के बाद शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छात्र हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया, आदेश जारी कर जिले के सभी विद्यार्थियों को संबंधित 7 अंकों को बोनस के रूप में प्रदान करने का निर्देश दिया गया, यह निर्णय न केवल छात्रों को न्याय दिलाने वाला है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में भी अहम कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप कदम

विशेषज्ञों के अनुसार,यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप है, जिसमें प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा और स्थानीय भाषा में शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है,ऐसे में क्षेत्रीय पाठ्यक्रम से हटकर प्रश्न पूछे जाना नीतिगत रूप से भी उचित नहीं था, जिसे अब सुधार लिया गया है।

हजारों विद्यार्थियों को मिला सीधा लाभ

इस फैसले से जिले के हजारों छात्रों को सीधा लाभ मिला है,जिन विद्यार्थियों को आउट ऑफ सिलेबस प्रश्नों के कारण नुकसान हो सकता था,अब उनके अंकों में संतुलन आ सकेगा,अभिभावकों का कहना है कि यह निर्णय बच्चों के आत्मविश्वास को बनाए रखने में भी मदद करेगा।

शिक्षकों और अभिभावकों ने की सराहना

प्रधान पाठक गौतम शर्मा की सजगता और शिक्षा विभाग की त्वरित कार्रवाई की जिले भर में सराहना हो रही है, शिक्षकों,अभिभावकों और शिक्षा विशेषज्ञों ने इसे एक सकारात्मक और न्यायसंगत पहल बताया है, लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह समय पर समस्याओं का समाधान होता रहा,तो शिक्षा व्यवस्था में विश्वास और मजबूती आएगी।

'श्री रामलला दर्शन योजना' के तहत मनेंद्रगढ़ से श्रद्धालुओं का दल अयोध्या रवाना

-संवाददाता-
एमसीबी,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम)योजना' के अंतर्गत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले से चयनित श्रद्धालुओं का दल आज अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ, श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर विशेष उत्साह और भक्ति भाव देखने को मिला, शासन की इस योजना के माध्यम से आम नागरिकों को भगवान श्रीराम के जन्मस्थल के दर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

49 श्रद्धालु विशेष रेल से करेंगे यात्रा

जिले के नगरीय निकायों और जनपद पंचायतों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर कुल 57 श्रद्धालुओं की सूची तैयार कर छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड को भेजी गई थी। इनमें से 49 श्रद्धालु इस यात्रा के लिए रवाना हुए,श्रद्धालुओं का दल जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ से बस के माध्यम से अंबिकापुर पहुंचा, जहां से वे विशेष रेल द्वारा अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। यह यात्रा 21 से 24 अप्रैल 2026 तक प्रस्तावित है।

यात्रा के दौरान सभी सुविधाओं की व्यवस्था- यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, दर्शन, सुरक्षा और चिकित्सकीय सुविधाओं की समुचित व्यवस्था शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है, इसके साथ ही पूरे यात्रा दल के साथ एक एस्कॉर्ट अधिकारी भी नियुक्त किया गया है, जो यात्रा के दौरान सभी व्यवस्थाओं का निरंतर निरीक्षण करेंगे, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रयास- 'श्री रामलला दर्शन योजना' का उद्देश्य केवल धार्मिक यात्रा कराना नहीं, बल्कि लोगों को भारतीय संस्कृति,आस्था और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना भी है, अयोध्या धाम में श्रीरामलला के दर्शन से श्रद्धालुओं के जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होने की उम्मीद है, यह योजना राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभर रही है, मनेंद्रगढ़ से श्रद्धालुओं का यह दल न केवल एक धार्मिक यात्रा पर निकला है, बल्कि यह आस्था, संस्कृति और सामूहिक अनुभव का प्रतीक भी है। शासन की इस पहल से आम नागरिकों को आध्यात्मिक अनुभव का अवसर मिल रहा है, जो उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक हो सकता है।

भक्ति भाव से सराबोर दिखे श्रद्धालु

अयोध्या के लिए रवाना होते समय श्रद्धालुओं के चेहरों पर उत्साह और आस्था साफ झलक रही थी। राम धुन, भजन और जयघोषों के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया,श्रद्धालुओं ने इस अवसर के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा उनके जीवन का एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगी और उन्हें आध्यात्मिक संतोष प्रदान करेगी।

उर्वरकों पर किसानों को दिया गया प्रशिक्षण

-संवाददाता-
बलरामपुर,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
कृषि विज्ञान केन्द्र, बलरामपुर में पारंपरिक उत्साह के साथ अक्ती तिहार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केवीके में रासायनिक उर्वरकों के विकल्प विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उन्नतशील कृषकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ. जी. के. निगम ने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर ही उर्वरकों का उपयोग करने तथा संतुलित पोषक तत्वों के साथ जैविक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों में जैविक खाद के उपयोग, गोबर खाद, कम्पोस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट जैसे जैविक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। किसानों को उर्वरकों के वैकल्पिक स्रोतों जैसे हरी खाद, नील-हरित शैवाल, अजोला उत्पादन, नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग की जानकारी दी गई। जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम, पीएसबी एवं एजोटोबैक्टर के बारे में विस्तार से बताया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं उजीत कुमार चौहान, आ0 जमुना प्रसाद चौहान,निवासी ग्राम इमलीपारा, ठाकुरपुर, पो0 राघवपुरी,तहसील अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा छ0ग0 का यह ईश्तहार कराना चाहता हूं - यह कि, मेरे पुत्र के नाम से जारी आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम सिविन चौहान SIVIN CHAUHAN नाम दर्ज है जो त्रुटिवश दर्ज हो गया है।
मेरे पुत्र का वास्तविक नाम जन्म प्रमाण पत्र में सेबिन चौहान, SEBIN CHOUHAN दर्ज है, जो सत्य एवं सही है।
मेरे पुत्र के आधार कार्ड में दर्ज नाम सिविन चौहान SIVIN CHAUHAN के स्थान पर उसका वास्तविक नाम सेबिन चौहान, SEBIN CHOUHAN उसके आधार कार्ड में दर्ज कराना चाहता हूं इस संबंध में मैं अपना शपथ-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं। जिस किसी को आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर अनुविभागीय अधिकारी अम्बिकापुर के समक्ष अपना आपत्ति दर्ज करा सकता है। बाद में आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
स्थान :-अम्बिकापुर
दिनांक :-17/04/2026
आवेदक
उजीत कुमार चौहान
इमलीपारा,ठाकुरपुर, अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा छ.ग.

नाम परिवर्तन सूचना

मैं बिमला दुबे पत्नी स्वर्गीय हरिशरण दुबे ग्राम सेमरा खुर्द ,तहसील प्रतापपुर ,जिला सूरजपुर की हूँ यह ईश्तहार दर्ज कराना चाहती हूं कि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश विमला अंकित हो गया है जिसे सुधार कर बिमला दूबे पढ़ा जाए । एवं मेरे सभी शासकीय व अशासकीय कार्यों में बिमला दूबे के नाम से जाना व पहचाना जाए । इस संबंध में मैं ईश्तहार प्रकाशन करा रही हूं । जिस किसी को आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अपना आपत्ति अनुविभागीय अधिकारी अम्बिकापुर के समक्ष दर्ज करा सकता है। बाद में आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा
आवेदिका
विमला दुबे
पत्नी स्वर्गीय हरिशरण दुबे
ग्राम सेमरा खुर्द ,तहसील प्रतापपुर
,जिला सूरजपुर,छ.ग.

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
ईश्तहार
रा0प्र0क0/...../अ-6/2025-26
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कलीमुल्लाह कुरेशी एवं सिद्दीकी कुरेशी, उम्र-75 वर्ष, जाति कसाब, निवासी मायापुर, अंबिकापुर जिला, सरगुजा, द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक श्रीमती अजमेरून निशा शाह पति इकबाल शाह, जाति फकीर, ग्राम रनपुर खुर्द, तह. अधिपति की नगर अंबिकापुर शीट नं 03, मोहल्ला कौआडांड स्थित नजूल भूमि प्लाट न्यू 1585/6 रकबा 0.04 एकड़ भूमि को पंजाब बृहद पत्र दिनांक 11/03/2026 को खरीदा गया है। अतः आवेदक को पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर क्रेता का नाम दस्तावेज की प्रति के साथ आवेदन पत्र के अंतर्गत पंजीकृत कराना चाहिए। धारा 109. 110 छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/05/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा / अपतित पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक- 21/04/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया ।
नजूल अधिकारी
अंबिकापुर
सरगुजा (छ.ग.)
सील

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
ईश्तहार
रा0प्र0क0/...../अ-6/2025-26
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक कुमार अम्बष्ट आ.स्व. सन्तन प्रसाद, उम्र- 72 वर्ष, श्रीमती शालनी अम्बष्ट आ0 अशोक कुमार अम्बष्ट, उम्र- 46 वर्ष अन्य वगैरह सभी निवासी केदारपुर पानी टंकी नगर निगम अ0पुर के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण की पत्नी एवं माता स्व. श्रीमती बंचला आबष्ट के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर मोहल्ला केदारपुर शीट नं. 02 स्थित नजूल भूमि खसरा नं. 203/5, 204/3 रकबा क्रमशः 0.03, 0.03 एकड़ एवं शीट नं. 01 चोपड़ापारा स्थित भूमि खसरा नं. 9/129 रकबा 0.04 3/4 एकड़ भूमि है। भूधारक चंचला अम्बष्ट की मृत्यु दिनांक 16. 06.2012 को हो गई है। अतः भूधारक की मृत्यु हो जाने उपरांत उक्त भूमि से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज करने हेतु आवेदकगण द्वारा मृत्तक भूधारक के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/05/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक-21/04/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी
अंबिकापुर
सरगुजा (छ.ग.)
सील

खबर का असर : घुनघुट्टा रिसोर्ट से हटा 'विभागीय ग्रहण' अब आम जनता के लिए खुले 'ट्री हाउस' के दरवाजे

'ट्री हाउस' पर खत्म हुआ वीआईपी कल्चर,जनता के लिए खुले दरवाजे

- घुनघुट्टा रिसोर्ट विवाद खत्म,अब ऑनलाइन बुकिंग से मिलेगी एंट्री
- सोनहत का घुनघुट्टा रिसोर्ट अब 'प्राइवेट विला' नहीं,पब्लिक डेस्टिनेशन
- वीआईपी कल्चर पर ब्रेक, घुनघुट्टा रिसोर्ट में अब सबका स्वागत
- ऑनलाइन बुकिंग शुरू,अब बिना सिफारिश मिलेगा घुनघुट्टा रिसोर्ट में कमरा
- घुनघुट्टा रिसोर्ट का 'गेट बंद' विवाद खत्म, ट्री हाउस अब सबके लिए
- जनता की आवाज रंग लाई : घुनघुट्टा रिसोर्ट से हटा 'विभागीय ग्रहण'

-राजन पाण्डेय-

सोनहत/कोरिया,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

प्रकृति की गोद में बसे सोनहत क्षेत्र का बहुप्रतीक्षित घुनघुट्टा रिसोर्ट आखिरकार आम जनता के लिए खोल दिया गया है,पिछले कई महीनों से इस रिसोर्ट को लेकर जो विवाद, असमंजस और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा था, वह अब खत्म होता नजर आ रहा है। स्थानीय समाचार-पत्र 'घटती-घटना' में लगातार प्रकाशित खबरों,जनप्रतिनिधियों की सख्त आपत्तियों और जनता की नाराजगी के बाद पर्यटन विभाग हरकत में आया और अब इस रिसोर्ट के'ट्री हाउस' सहित सभी आवासीय सुविधाओं के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, यह वही रिसोर्ट है जिसे लेकर लंबे समय से यह आरोप लग रहे थे कि यह केवल रसूखदार लोगों के लिए 'प्राइवेट विला' बनकर रह गया है, जबकि आम पर्यटक गेट से ही लौटा दिए जाते थे,अब जब छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने इसकी दरें सार्वजनिक कर दी हैं और ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा शुरू कर दी है, तो इसे सीधे तौर पर 'खबर का असर'माना जा रहा है।

विवादों के बाद जागी व्यवस्था

घुनघुट्टा रिसोर्ट का निर्माण पर्यटन को बढ़ावा देने और सोनहत क्षेत्र को एक प्रमुख इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से किया गया था,जनवरी 2026 में इसका हैंडओवर होने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि यह जल्दी ही पर्यटकों के लिए खुल जाएगा। लेकिन अप्रैल तक भी आम लोगों के लिए इसके दरवाजे बंद रहे, जिससे कई सवाल खड़े होने लगे,स्थानीय लोगों का आरोप था कि रिसोर्ट में प्रवेश के लिए 'ऊपर' से अनुमति अनिवार्य थी, कई पर्यटक,जो दूर-दूर से यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने पहुंचे, उन्हें गेट से ही वापस कर दिया गया,इस व्यवस्था को लेकर क्षेत्र में नाराजगी बढ़ती गई, राजनीतिक स्तर पर भी यह मुद्दा गरमाया। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी और यूथ कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र साहू,अनित दुबे, पुष्पेंद्र राजवाड़े सहित कई नेताओं ने इस मामले को गंभीरता से उठाया। उन्होंने इसे 'तानाशाही संस्कृति' करार देते हुए आम जनता के अधिकारों की अनदेखी बताया, लगातार दबाव और मीडिया की सक्रियता के बाद आखिरकार पर्यटन विभाग को अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव करना पड़ा,जिसका परिणाम अब सामने है। सीजन के अनुसार तय की गई दरें-पर्यटन विभाग द्वारा जारी नई गाइडलाइन में रिसोर्ट की दरों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिससे अब पारदर्शिता की उम्मीद बढ़ी है।

प्री-वेडिंग और शूटिंग की सुविधा

पर्यटन को बढ़ावा देने और युवाओं को आकर्षित करने के लिए रिसोर्ट में प्री-वेडिंग शूट और वीडियो शूटिंग की सुविधा भी शुरू की गई है। इसके लिए 15,000 प्रति दिन (जीएसटी सहित) का शुल्क तय किया गया है, इस पैकेज में शूटिंग टीम को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक दो कमरे 'फ्रेश एंड चेंज' के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे, जो उपलब्धता के आधार पर दिए जाएंगे, हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शूटिंग के दौरान अन्य पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, यदि ऐसा होता है तो संबंधित टीम के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिडिल क्लास की जेब पर भारी पड़ती दरें- हालांकि रिसोर्ट का खुलना एक सकारात्मक कदम है, लेकिन इसकी दरों को लेकर आम जनता,खासकर मध्यमवर्गीय परिवारों में असंतोष देखने को मिल रहा है, सोनहत जैसे क्षेत्र में,जहां ज्यादातर पर्यटक आसपास के जिलों से आते हैं और सीमित बजट में घूमने की योजना बनाते हैं, उनके लिए 2600 से 3800 तक का दैनिक किराया काफी महंगा माना जा रहा है,यदि इसमें खाने-पीने,यात्रा और अन्य खर्चों को जोड़ दिया जाए,तो एक दिन का कुल खर्च कई परिवारों के बजट से बाहर हो जाता है। यही कारण है कि स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि दरों में आंशिक कमी की जाए,स्थानीय निवासियों के लिए विशेष छूट दी जाए, ऑफ-सीजन में और अधिक किफायती पैकेज उपलब्ध कराए जाएं।

क्या केवल अमीरों तक सीमित रहेगा पर्यटन- यह सवाल अब भी चर्चा में है कि क्या यह रिसोर्ट वास्तव में सभी वर्गों के लिए सुलभ हो पाएगा या फिर केवल संपन्न वर्ग के लिए ही एक प्रीमियम डेस्टिनेशन बनकर रह जाएगा, पर्यटन का उद्देश्य केवल राजस्व कमाना नहीं,बल्कि अधिक से अधिक लोगों को प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों से जोड़ना भी होता है,यदि दरें इतनी अधिक हों कि आम आदमी वहाँ तक पहुंच ही न सके, तो इसका मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

नॉन-पीक सीजन (1 अप्रैल - 30 जून)

अवधि में सप्ताह के सभी दिनों के लिए एक समान दरें रखी गई हैं।

- सिंगल ऑक्यूपेंसी: 2100
- डबल ऑक्यूपेंसी: 2625
- अतिरिक्त व्यक्ति के साथ: 3150

पीक सीजन (1 जुलाई - 31 मार्च)

इस अवधि में सप्ताह के दिनों और वीकेंड के हिसाब से दरों में अंतर रखा गया है।

सोमवार से गुरुवार

- सिंगल: 2625
- डबल: 3150
- अतिरिक्त व्यक्ति सहित : 3750

वीकेंड (शुक्रवार,शनिवार,रविवार)

- सिंगल: 2835
- डबल: 3360
- अतिरिक्त व्यक्ति सहित : 3885

इन दरों के निर्धारण से यह साफ हो गया है कि रिसोर्ट अब एक व्यवस्थित व्यावसायिक मॉडल के तहत संचालित किया जाएगा, न कि किसी विशेष वर्ग तक सीमित रहेगा।

ऑनलाइन बुकिंग से बढ़ी पारदर्शिता

इस पूरे बदलाव का सबसे अहम पहलू है—ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा। अब पर्यटकों को किसी सिफारिश, पहचान या 'ऊपर' के आदेश की जरूरत नहीं पड़ेगी, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर पर्यटक रियल-टाइम में कमरों की उपलब्धता देख सकते हैं,अपनी पसंद के अनुसार बुकिंग कर सकते हैं,डेबिट या क्रेडिट कार्ड से भुगतान कर सकते हैं, इस व्यवस्था से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि पर्यटन क्षेत्र में भरोसा भी मजबूत होगा। साथ ही, सोनहत क्षेत्र में स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ने की उम्मीद है-जैसे गाइड, परिवहन, खान-पान और अन्य सेवाएं।

बिना शोर-शराबे के शुरू हुआ संचालन

दिलचस्प बात यह रही कि इतने बड़े और बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट का संचालन बिना किसी औपचारिक उद्घाटन के शुरू कर दिया गया,न कोई फीता कटा, न कोई बड़ा समारोह हुआ और न ही जनप्रतिनिधियों को बुलाया गया। विभाग ने चुपचाप ऑनलाइन पोर्टल पर बुकिंग शुरू कर दी और रिसोर्ट को आम जनता के लिए खोल दिया, इसे कई लोग इस रूप में देख रहे हैं कि विभाग विवादों से बचना चाहता था या फिर यह सीधे तौर पर मीडिया के दबाव का परिणाम था, जो भी हो, यह साफ है कि यदि खबरें लगातार सामने नहीं आतीं, तो शायद यह रिसोर्ट अभी भी सीमित लोगों तक ही सिमटा रहता।

खबर की ताकत और जनदबाव का परिणाम

घुनघुट्टा रिसोर्ट का मामला यह साबित करता है कि मीडिया की सक्रियता, जनप्रतिनिधियों का दबाव और जनता की आवाज मिलकर व्यवस्था को बदलने की ताकत रखते हैं,आज जो रिसोर्ट आम लोगों के लिए खुला है, वह कुछ समय पहले तक केवल चुनिंदा लोगों तक सीमित था। यह बदलाव केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि जनदबाव और जागरूकता का परिणाम है,अब जरूरत इस बात की है कि इस पारदर्शिता और जनहित की भावना को बनाए रखा जाए और दरों को भी इस तरह संतुलित किया जाए कि हर वर्ग का व्यक्ति इस खूबसूरत 'ट्री हाउस' का अनुभव ले सके, घुनघुट्टा रिसोर्ट अब केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह एक उदाहरण बन गया है—कि जब सवाल उठते हैं, तो जवाब भी मिलते हैं।

जनदर्शन बना जनविश्वास का मंच,37 आवेदनों पर हुई सुनवाई

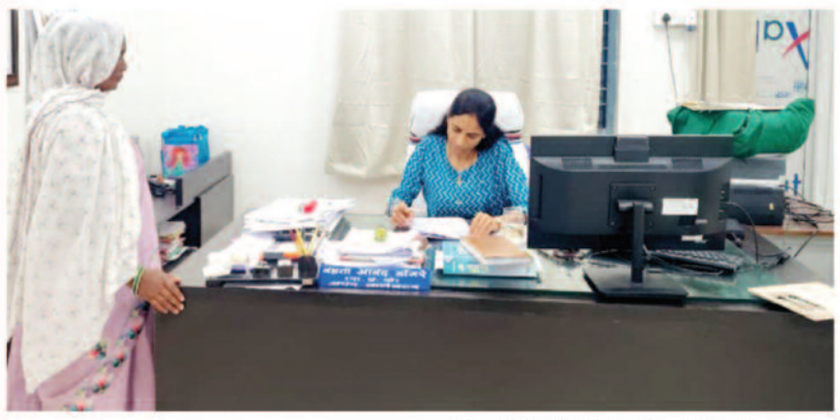

-संवाददाता-

एमसीबी,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम एक बार फिर आम नागरिकों के लिए अपनी समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का प्रभावी मंच बनकर उभरा, कलेक्टर के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे ने जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

37 आवेदनों पर हुई सुनवाई

जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कुल 37 आवेदन प्राप्त हुए,जिनमें विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं शामिल थीं,नागरिकों ने पारिश्रमिक भुगतान, पेयजल व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मजदूरी भुगतान,राजस्व प्रकरणों का निराकरण, उत्तराधिकारी प्रमाण-पत्र,भूमि सीमांकन,राशन वितरण,मानदेय भुगतान,अवैध उत्खनन,बैंक कटौती, निर्माण कार्यों के भुगतान,वन अधिकार पट्टा,साप्ताहिक बाजार स्थल परिवर्तन, विद्युत आपूर्ति और ऋण संबंधित मामलों को प्रमुखता से उठाया।

समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे ने सभी आवेदनों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए,उन्होंने स्पष्ट कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है,साथ ही अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और लंबित मामलों को शीघ्र समाप्त करने के निर्देश भी दिए गए।

नागरिकों को भटकने से मिलेगी राहत

कार्यक्रम के दौरान यह भी जोर दिया गया कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रत्येक प्रकरण का त्वरित निराकरण कर आमजन को राहत प्रदान करें।

प्रशासन और जनता के बीच बढ़ा संवाद

जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से प्रशासन और आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है,इससे न केवल समस्याओं के समाधान में तेजी आ रही है,बल्कि शासन के प्रति लोगों का विश्वास भी मजबूत हो रहा है, इस पहल को जिले में सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जहां आमजन की आवाज को प्राथमिकता दी जा रही है।

पारदर्शी वितरण की मांग,आदान सामग्री भंडारण को लेकर कृषि अधिकारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

आदान भंडारण को लेकर कृषि अधिकारी संघ का ज्ञापन,समितियों में व्यवस्था की मांग

- शासन निर्देशों की अनदेखी पर नाराजगी, कृषि अधिकारियों ने उठाई आवाज
- बीज-खाद भंडारण को लेकर संघ सक्रिय, उप संचालक को सौंपा ज्ञापन
- वितरण व्यवस्था सुधारने की मांग, सहकारी समितियों को बनाया जाए केंद्र
- आदान सामग्री भंडारण पर उठे सवाल, संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी
- कृषि विभाग में नियमों की अनदेखी? संघ ने सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर,21 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

जिले में कृषि आदान सामग्रियों के भंडारण और वितरण को लेकर एक बार फिर व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं, छत्तीसगढ़ कृषि स्नातक शासकीय कृषि अधिकारी संघ (जिला इकाई-एमसीबी) के प्रतिनिधिमंडल ने उप संचालक कृषि से मुलाकात कर इस संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा,ज्ञापन में विभागीय योजनाओं के तहत प्राप्त बीज, उर्वरक और कल्चर के भंडारण को लेकर स्पष्ट व्यवस्था लागू करने की मांग की गई है। कृषि आदान सामग्रियों के भंडारण को लेकर उठी यह मांग सीधे तौर पर किसानों की सुविधा और पारदर्शिता से जुड़ी हुई है, अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर कितनी जल्दी और प्रभावी कार्रवाई करता है। यदि मांगें पूरी होती हैं, तो इससे न केवल वितरण व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि किसानों को समय पर संसाधन मिलने से कृषि उत्पादन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

सहकारी समितियों में भंडारण की मांग-संघ ने मांग रखी कि सभी आदान सामग्रियों का भंडारण विकासखंड कार्यालयों के बजाय अनिवार्य रूप से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में किया जाए, उनका कहना है कि सहकारी समितियां ग्रामीण स्तर पर किसानों से सीधे जुड़ी होती हैं, जिससे सामग्री का वितरण अधिक सरल और प्रभावी हो सकता है, संघ के अनुसार, वर्तमान व्यवस्था में कई स्थानों पर सामग्री का भंडारण अन्य कार्यालयों में किया जा रहा है, जिससे किसानों को समय पर लाभ नहीं मिल पाता और वितरण प्रक्रिया प्रभावित होती है।

शासन के निर्देशों की अनदेखी पर चिंता-प्रतिनिधिमंडल ने उप संचालक का ध्यान संचालनालय कृषि, रायपुर द्वारा वर्ष 2018 में जारी निर्देशों की ओर आकर्षित किया, इन निर्देशों में स्पष्ट रूप से सहकारी समितियों में भंडारण सुनिश्चित करने की बात कही गई थी,इसके बावजूद कई स्थानों पर इन निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिसे लेकर संघ ने गंभीर चिंता व्यक्त की। उनका कहना है कि नियमों की अनदेखी से न केवल प्रशासनिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, बल्कि किसानों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

पारदर्शिता और सुविधा बढ़ाने का दावा- संघ का मानना है कि यदि भंडारण सहकारी समितियों में किया जाता है, तो इससे वितरण व्यवस्था अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित होगी, किसानों को उनके नजदीकी केंद्रों पर समय पर खाद और बीज उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे कृषि कार्यों में देरी नहीं होगी,इसके साथ ही सामग्री की सुरक्षा और गुणवत्ता भी बेहतर बनी रहेगी,वर्तमान व्यवस्था में जहां सामग्री के रखरखाव को लेकर कई बार शिकायतें सामने आती हैं, वहीं सहकारी समितियों में बेहतर प्रबंधन की संभावना जताई गई है।

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे शामिल- इस अवसर पर संघ के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे,इनमें प्रांतीय कार्यालयीन सचिव एवं जिलाध्यक्ष दीपक कुमार साहू,प्रांतीय प्रतिनिधि आशीष नामदेव, उपाध्यक्ष संजय अमलेश,जिला सचिव विकास चौरसिया,कोषाध्यक्ष सूरज सिंह भगत और मीडिया प्रभारी रामबिहारी लहरें सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

कृषि अधिकारियों को भी मिलेगी राहत-

मैदानी स्तर पर कार्यरत कृषि अधिकारियों को भी इस व्यवस्था से राहत मिलने की बात कही गई है, संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान प्रणाली में अधिकारियों को अतिरिक्त प्रशासनिक और भौतिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि भंडारण समितियों में किया जाता है, तो अधिकारियों का कार्यभार संतुलित होगा और वे अपने मुख्य कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

उप संचालक ने दिया सकारात्मक आश्वासन

उप संचालक कृषि ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और इस दिशा में सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया, उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों पर विचार कर उचित निर्णय लिया जाएगा, ताकि किसानों और विभाग दोनों को लाभ मिल सके।

संघ ने दी चेतावनी-

संघ ने अपने ज्ञापन में स्पष्ट किया है कि यदि शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन अपने सदस्यों के हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए आगे रणनीति बनाने को बाध्य होगा, यह चेतावनी प्रशासन के लिए संकेत मानी जा रही है कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो मामला और आगे बढ़ सकता है।

कटरीना की जिगरी यार ने किया था आलिया भट्ट को सरेआम ट्रोल,अब दे डाली सफाई

एक अवॉर्ड शो में आलिया भट्ट की होस्टिंग पर कैटरीना कैफ की दोस्त ने तंज कसा था। अब उन्होंने इस पर अपनी सफाई दी है।

एक लाइव अवॉर्ड शो होस्ट करने के बाद आलिया भट्ट ट्रोलिंग और चर्चाओं का केंद्र बन गईं। इस आलोचना के बीच, एक्टर और होस्ट मिनी माथुर का एक कमेंट वायरल हो गया, जिसे कई लोगों ने आलिया भट्ट की होस्टिंग पर एक तंज माना। एक कंटेंट क्रिएटर की इंस्टाग्राम पोस्ट पर मिनी के कमेंट के बाद यह बात इंटरनेट पर आग की तरह फैल गई। इस घटना के कुछ दिनों बाद, मिनी ने अब आलिया पर तंज कसने के आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। लेकिन जिस बात ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई, वह थी मिनी माथुर का उस इन्फ्लुएंसर की पोस्ट पर किया गया कमेंट। मिनी ने एक सीधा-सादा, लेकिन असरदार कमेंट किया,जिसमें लिखा था, धन्यवाद। आखिरकार किसी ने तो यह बात कही।

मिनी ने दी इस पर सफाई

हालांकि, मिनी ने अब अपना रुख साफ कर दिया है। मीडियो रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने आलिया पर तंज कसने के दावों से इनकार किया और इन अटकलों को बकवास बताया। उन्होंने साफ किया, बिना किसी बात के ही कहानियां गढ़ लेना इंटरनेट का काम है। मैं आपको बताती हूं कि मैंने यह कमेंट क्यों किया... शो बनाने वाले का इस बात पर एक दिलचस्प नजरिया था कि अवार्ड शो वाले एक्टर्स को होस्ट के तौर पर इस्तेमाल करने पर क्यों जोर देते हैं, और फिर बाद में शिकायत करते हैं कि वे उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। उन्होंने आगे कहा, यह उनकी मुख्य काबिलियत नहीं है, तो फिर उनसे ऐसी उम्मीदें क्यों? यह तो ऐसा है जैसे किसी होस्ट से बंदूक की नोक पर एक्टिंग करने को कहा जाए। मैंने तो बस इसी बात पर कमेंट किया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या आलिया के साथ उनकी कोई कथित अनबन है, तो मिनी ने कहा, यह सब बकवास है। मैं आलिया को बहुत पसंद करती हूं। इसके अलावा मैंने तो वह शो देखा भी नहीं है जिसके बारे में ये लोग इंटरनेट पर बातें कर रहे हैं।

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के पीआर किंग हैं...एक्टर विजय वर्मा ने कसा कार्तिक पर तंज? इंटरनेट पर बवाल

एक्टर विजय वर्मा ने कार्तिक आर्यन को बॉलीवुड का पीआर किंग बताया है, जिससे इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है।

बॉलीवुड में कार्तिक आर्यन की फिल्मों की चर्चा हो ना हो, लेकिन जनाब लाइमलाइट में जरूर ही रहते हैं। यही वजह है कि कार्तिक आर्यन खूब सुर्खियां बटोरते हैं। सोशल मीडिया पर कार्तिक कभी ट्रोल होते हैं, तो कभी कार्तिक अपनी फिल्मों और स्टाइल के जरिए तारीफें भी पाते हैं और अब लीजिए कार्तिक पर एक एक्टर ने इशारों ही इशारों में कार्तिक पर निशाना साधा है।

कार्तिक पर किसने कसा तंज?

कार्तिक आर्यन ने जबसे रीमेक फिल्मों में काम किया है, तबसे उन्हें पॉपुलैरिटी तो खूब मिली है लेकिन एक वर्ग ऐसा भी है जो

कार्तिक की एक्टिंग पर सवाल उठाता है। कार्तिक ने भूल-भुलैया सीरीज के दो पार्ट्स में अक्षय कुमार को रिप्लेस किया है, ऐसे में कुछ लोग इससे खफा भी हुए हैं। अब लीजिए हाल ही में कार्तिक को लेकर एक्टर विजय वर्मा ने कहा है कि वो पीआर के किंग हैं। दरअसल हाल ही में एक्टर विजय वर्मा का एक वीडियो रेडिट पर काफी वायरल हो रहा है, जिसमें एक्टर से पूछा गया कि बॉलीवुड में कौन पीआर का किंग है तो इस पर विजय ने झट से कार्तिक आर्यन का नाम ले लिया। मतलब यह है कि बॉलीवुड में अपनी फिल्मों और इमेज को प्रमोट करने में सबसे माहिर कौन है, तो इसमें विजय ने कार्तिक का नाम लिया और इसीलिए उन्होंने कहा है कि इसके लिए कार्तिक पीआर एजेंसी का सहारा लेते हैं।

नई देवसेना? कयादू लोहार अनुष्का शेट्टी के पूरे समर्पण के रास्ते पर चल रहे...

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा बहुत कम होता है कि कोई एक ही फिल्म के लिए सालों तक काम करे। पता चला है कि अनुष्का शेट्टी ने पहले अपने करियर के पांच साल बाहुबली जैसे बड़े प्रोजेक्ट के लिए दिए थे। अब, ऐसा लगता है कि यंग एक्ट्रेस कयादू लोहार ने भी इसी तरह का एक बड़ा फैसला लिया है। कयादू लोहार लगभग दो साल से नेचुरल स्टार नानी स्टारर पैराडाइज पर काम कर रही हैं, बिना किसी दूसरे प्रोजेक्ट के कमिट किए और पूरा फोकस इसी फिल्म पर कर रही हैं। फिल्मी दुनिया में एक उभरती हुई हीरोइन के लिए ऐसा फैसला लेना एक बड़ा रिस्क माना जा रहा है। हाल ही में, कयादू लोहार की कुछ फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक रिजल्ट नहीं दिया है। एनालिस्ट्स का कहना है कि ऐसे समय में नए मौकों को छोड़कर सिर्फ एक प्रोजेक्ट पर निर्भर

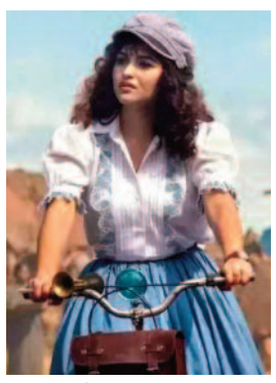

रहना उनके करियर के लिए एक चैलेंज बन सकता है। अगर ÷पैराडाइज÷ उम्मीद के मुताबिक हिट नहीं होती है, तो हो सकता है कि इसका असर उनके फ्यूचर पर पड़े। हालांकि, इस फिल्म में कयादू का रोल सिर्फ ग्लैमर तक ही लिमिटेड नहीं है, बल्कि एक्टिंग का भी अच्छा स्कोप लगता है। खबर है कि उन्हें इमोशनल सीन में अपना टैलेंट दिखाने का अच्छा मौका मिला है। यही वजह है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को इतना टाइम दिया है। नानी जैसे टैलेंटेड एक्टर के साथ स्क्रीन शेयर करना भी कयाधु के करियर के लिए प्लस पॉइंट होने की उम्मीद है। अगर पैन-इंडिया लेवल पर बन रही यह फिल्म सफल होती है, तो कयाधु लोहार को बड़ा ब्रेक मिलने की उम्मीद है। दूसरी तरफ, इंडस्ट्री में लगातार फिल्में करना भी एक्ट्रेस के करियर के लिए ज़रूरी है।

राका के लिए अल्लू अर्जुन हैदराबाद छोड़ मुंबई में बसाएंगे अपना नया आशियाना?

अल्लू अर्जुन को लेकर यह खबर आ रही थी कि वह फिल्म राका की वजह से मुंबई में शिफ्ट होने वाले हैं, जिससे प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण को भी राहत मिल सकती है। बॉलीवुड की टॉप

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इस वक्त अपनी जिंदगी के सबसे खूबसूरत फेज से गुजर रही हैं। बीते दिनों ही बाजीराव-मस्तानी एक्ट्रेस ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी, जिसके बाद से ही फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार बधाइयां दे रहे हैं।

इसी बीच, एंटरटेनमेंट गलियारों में तेजी से यह खबर फैलने लगी कि दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी को ध्यान में रखते हुए और फिल्म के सख्त शूटिंग शेड्यूल की मांगों को पूरा करने के लिए साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन हैदराबाद छोड़कर मुंबई शिफ्ट हो रहे हैं। क्या सच में अल्लू अर्जुन राका के लिए मुंबई में अपना नया आशियाना बसाएंगे? आइए नीचे विस्तार से जानते हैं इसकी सच्चाई-

क्या राका के लिए मुंबई शिफ्ट होंगे अल्लू अर्जुन?

अल्लू अर्जुन के मुंबई शिफ्ट होने की इन अफवाहों पर अब एक्टर के करीबी सूत्र ने चुप्पी तोड़ी है। डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने बताया, वह खुश हैं और हैदराबाद में पूरी तरह से सेटल और कंफर्टेबल हैं। वह अपने शहर से बहुत ज्यादा गहराई से जुड़े हुए हैं। उनके मुंबई शिफ्ट होने की इन खबरों में रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। दरअसल, बीते दिनों यह खबर सामने आई थी कि अल्लू अर्जुन अपने व्यक्तिगत और पेशेवर कारणों से कुछ समय के लिए मुंबई शिफ्ट हो सकते हैं। अफवाहों में दावा किया गया था कि फिल्म के लिए कड़ी तैयारी, सख्त शूटिंग शेड्यूल और लंबी प्रोडक्शन टाइमलाइन की मांगों को पूरा करने के लिए अल्लू ने यह फैसला लिया है। वह बार-बार शहरों के बीच यात्रा करने से बचना चाहते हैं।

यह भी कहा जा रहा था कि उनके मुंबई आने के इस कथित फैसले से प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण को भी बड़ी राहत मिलती। हालांकि, पुष्पा 2 एक्टर के करीबी सूत्रों ने अब इस खबर को सिरे से खारिज कर दिया है।

दीपिका पादुकोण का शूटिंग शेड्यूल है सेम

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री दीपिका पादुकोण भले ही गर्भवती हैं, लेकिन उनके शूटिंग शेड्यूल में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। वह तय शेड्यूल के मुताबिक ही अपना काम करेंगी। अगर अल्लू अर्जुन मुंबई आते, तो दीपिका को शूटिंग के लिए दूसरे शहरों में सफर नहीं करना पड़ता और उनके लिए काम करना काफी आसान हो जाता, लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ नहीं हो रहा है।

सनी देओल और इमरान हाशमी फिर से भिड़ेंगे

2026 में आने वाला इंडिपेंडेंस डे वीकेंड हाल के बॉलीवुड इतिहास के सबसे बड़े सिनेमाई शोडाउन में से एक बनने वाला है। एक रेयर हिस्ट्री रिपीट्स इट्स इट्स मोमेंट में, इंडस्ट्री के बड़े स्टार सनी देओल और इमरान हाशमी साल के दो सबसे ज़्यादा इंतज़ार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स के साथ बॉक्स ऑफिस पर आमने-सामने आने के लिए तैयार हैं।

शिवम की वापसी: आवारापन 2

विशेष फिल्म्स ने 14 अगस्त, 2026 को ÷आवारापन 2÷ की रिलीज़ अनाउंसमेंट करके ऑफिशियली हाइप बढ़ा दी है। 2007 की कल्ट क्लासिक का सीक्वल, जिसने इमरान हाशमी के ÷सीरियल किसर÷ एरा को थोड़ी दिल को छू लेने वाली ट्रेजेडी के टच के साथ डिफाइन किया, इस दूसरे इंस्टॉलमेंट में हाशमी शिवम के अपने आइकॉनिक रोल को रिपीट करते हुए दिख रहे हैं। नितिन कक्कड़ (फिल्मिस्तान फेम) के डायरेक्शन और विशेष भट्ट के प्रोड्यूस में, इस फिल्म में दिशा पटानी फीमेल लीड के तौर पर हैं। ओरिजिनल एक ज़बरदस्त एक्शन-ड्रामा थी जो अपने ज़बरदस्त प्रीतम साउंडट्रैक के लिए जानी जाती थी, लेकिन सीक्वल को बहुत बड़े लेवल पर इंटेंस म्यूज़िकल लव स्टोरी के तौर पर पेश किया जा रहा है। फैंस पहले से ही इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या नया म्यूज़िक पहली फ़िल्म की डिस्कोग्राफी के लेजेंडरी स्टेटस को बनाए रख पाएगा।

द पीरियड पावरहाउस : लाहौर 1947

दूसरी तरफ सनी देओल लाहौर 1947 के साथ हैं, जो 13 अगस्त, 2026 को रिलीज़ होने वाली है, यानी हॉलिडे वीकेंड शुरू होने से ठीक एक दिन पहले। यह प्रोजेक्ट एक बड़ा कोलेबोरेशन है,जिसमें इंडियन सिनेमा के तीन बड़े नाम एक साथ आ रहे हैं- लीड रोल में सनी देओल। डायरेक्टर के तौर पर राजकुमार संतोषी। आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूसर के तौर पर आमिर खान। गदर 2 और बॉर्डर 2 की रिकॉर्ड तोड़ सफलता के बाद, देशभक्ति वाले पीरियड ड्रामा जॉनर में सनी देओल की वापसी से भारी भीड़ आने की उम्मीद है। फिल्म में प्रीति जिंटा और शबाना आज़मी जैसे शानदार सपोर्टिंग कास्ट भी हैं, और ए.आर. रहमान का म्यूज़िकल स्कोर भी है।

19 साल पुराना रंजिश का मैच

इस क्लैश को जो चीज़ सच में दिलचस्प बनाती है,वह है इसका हिस्टोरिकल कॉन्टेक्स्ट। ठीक 19 साल पहले, 29 जून, 2007 को, इन दोनों स्टार्स के बीच भी ऐसी ही लड़ाई हुई थी : 2007: सनी देओल की फैमिली ड्रामा अपने का मुकाबला इमरान हाशमी की आवारापन से हुआ। नतीजा : उस समय, अपने कमर्शियल विनर बनी, जबकि आवारापन ने टिकट विंडो पर अच्छा परफॉर्म नहीं किया, और सालों बाद होम मीडिया और स्ट्रीमिंग पर इसे कल्ट स्टेटस मिला।

नीतू चंद्रा इमोशनल गहराई के साथ आखिरी सवाल के लिए एकदम सही

एक्टर नीतू चंद्रा हमेशा से आने वाली फिल्म आखिरी सवाल के लिए पहली पसंद थीं, जैसा कि प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने कन्फर्म किया है। इस फिल्म में संजय दत्त लीड रोल में हैं, इसे अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है और यह आरएसएस (राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ) के 100 साल के सफर पर आधारित है। प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, मेकर्स शुरू से ही इस रोल के लिए नीतू चंद्रा को कास्ट करने को लेकर क्लियर थे। इस कैरेक्टर के लिए इमोशनल गहराई और संयम का एक अनोखा मिक्स चाहिए था, ये खूबियां टीम को उनके एक्टिंग स्टाइल से बहुत ज़्यादा जुड़ी हुई लगती थीं। शुरू में इस क्लैरिटी ने उनके सिलेक्शन को प्रोजेक्ट के लिए एक ज़रूरी क्रिएटिव फैसला बना दिया। इनसाइडर्स का यह भी कहना है कि उनके शामिल होने से फिल्म की कहानी में एक खास वज़न आता है, जिसमें इंटेंस इमोशंस और लेयर्ड स्टोरीटेलिंग पर फोकस करने की बात कही गई है। उनके होने से फिल्म के टोन को कॉम्प्लिमेंट करने और कहानी के ओवरऑल इम्पैक्ट को बढ़ाने की उम्मीद है। हालांकि आखिरी सवाल के बारे में और डिटेल्स अभी सीक्रेट हैं, लेकिन कास्टिंग चॉइस से पता चलता है कि फिल्म का मकसद परफॉर्मेंस पर आधारित कहानी देना है। संजय दत्त इस प्रोजेक्ट को लीड कर रहे हैं और नीतू चंद्रा इसमें अहम रोल निभा रही हैं, इसलिए यह फिल्म देखने लायक बन रही है। नमाशी चक्रवर्ती, मृणाल कुलकर्णी, त्रिधा चौधरी, अर्चना अय्यर और भी कई कलाकारों वाली आखिरी सवाल 8 मई को थिएटर में रिलीज़ होगी।

खेल समाचार

ताशकंद 2027 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। ताशकंद को 2027 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के होस्ट शहर के तौर पर कन्फर्म किया गया है। यह पहली बार है जब यह मशहूर कॉम्पिटिशन उज़्बेकिस्तान और बड़े सेंट्रल एशियाई इलाके में होगा।यह अनाउंसमेंट वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ने की, जिसने कन्फर्म किया कि दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल पैरा-स्पोर्ट इवेंट जून 2027 में ओलंपिक सिटी मेन स्टेडियम में होगा, वर्ल्ड पैरा

एथलेटिक्स वेबसाइट के मुताबिक।ताशकंद 2027 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का 13वां एडिशन होगा और यह पांचवीं बार होगा जब यह इवेंट एशिया में होस्ट किया जाएगा, इससे पहले दोहा 2015, दुबई 2019, कोबे 2024 और नई दिल्ली 2025 में यह इवेंट हो चुका है। 100 से ज़्यादा देशों के लगभग 1,300 एथलीटों के हिस्सा लेने की उम्मीद के साथ, यह चैंपियनशिप देश में अब तक का सबसे बड़ा इंटरनेशनल पैरा स्पोर्ट इवेंट बनने के लिए तैयार है। हालांकि इवेंट्स की आखिरी संख्या अभी कन्फर्म नहीं हुई है, लेकिन प्रोग्राम में कम से कम 164 इवेंट्स होंगे, जो पैरालंपिक गेम्स प्रोग्राम के साथ जुड़े होंगे, और इसमें और भी इवेंट्स होने की संभावना है। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स के हेड पॉल फिट्ज़गेराल्ड ने इस घोषणा का स्वागत किया और देश और इलाके दोनों के लिए इस इवेंट की अहमियत बताई।

इटली के पूर्व स्टार का गार्डियोला को समर्थन

मैड्रिड ,21 अप्रैल 2026।इटली और जुवेंटस के पूर्व डिफेंडर लियोनार्डो बोनुची ने मैनचेस्टर सिटी के पेप गार्डियोला को नेशनल टीम का हेड कोच बनाने और अजुरी के लगातार तीसरी बार फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई न कर पाने के बाद् बड़ा बदलाव लाने की मांग की है। अप्रैल की शुरुआत में एक चौंकाने वाली बात यह हुई कि इटली लगातार तीसरे फीफा डब्ल्यूसी में जगह बनाने में नाकाम रहा, जब उसे बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। चार बार के चैंपियन, जिन्होंने आखिरी बार 2006 में वर्ल्ड कप जीता था और आखिरी बार 2014 में इस बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, वर्ल्ड कप में 48 टीमों के शामिल होने के बावजूद एक बार फिर फुटबॉल की कुछ बेहतरीन टीमों के साथ मुकाबला करने से चूक गए। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक होगा और इसे यूएसए मेक्सिको और कनाडा मिलकर होस्ट करेंगे।

देवदत्त पडिक्कल,आकिब नबी और ये 2 खिलाड़ी,टीम इंडिया के लिए खेलेंगे टेस्ट?

टीम इंडिया को अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलना है... इस मैच में सेलेक्टर्स सीनियर खिलाड़ियों को रेस्ट देकर टीम के युवा खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं...

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय चयन समिति घरेलू क्रिकेट के चमकते सितारों को मौका देने पर विचार कर रही है। आईपीएल 2026 के फाइनल और इस टेस्ट के बीच समय काफी कम है और चूंकि यह मुकाबला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है इसलिए सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाना लगभग तय है। ऐसे में टीम इंडिया की बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने का यह सबसे सही मंच साबित हो सकता है।

इन खिलाड़ियों की हो सकती है एंट्री

सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में देवदत्त पडिक्कल, गुरनूर बरार, आकिब नबी और मानव सुथार जैसे खिलाड़ियों की किस्मत चमक सकती है। इन युवाओं ने घरेलू सत्र में लगातार प्रभावित किया है। चयन समिति का मानना है कि जिन मुकाबलों से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पॉइंट्स नहीं मिलने हैं, वहां स्टार प्लेयर्स को थकाने का कोई मतलब नहीं है। एक सूत्र ने कहा, इस चयन समिति की एक बात साफ है कि वे जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेते। गुरनूर, मानव, हर्ष दुबे, आकिब और देवदत्त पडिक्कल ने अपनी खेल से सभी का ध्यान खींचा है। अब सब कुछ टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम की चर्चा पर निर्भर करेगा क्योंकि संसाधनों का सही इस्तेमाल ही प्राथमिकता है।

स्टार खिलाड़ियों को दिया जाएगा रेस्ट

भारतीय कप्तान शुभमन गिल पहले भी वर्कलोड मैनेजमेंट और फॉर्मेट बदलने के बीच मिलने वाले कम समय को लेकर चिंता जता चुके हैं। जून का शेड्यूल काफी व्यस्त है जिसमें टेस्ट के तुरंत बाद तीन वनडे और फिर आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज होनी है। इसी वजह से जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा जैसे ऑल फॉर्मेट खिलाड़ियों को टेस्ट से ब्रेक देकर सीधे वनडे सीरीज में उतारा जा सकता है।

लगातार खेलनी है टीम को सीरीज

शेड्यूल की चुनौतियों पर सूत्र ने आगे बताया, टेस्ट और वनडे सीरीज के बीच तैयारी का वक्त बहुत कम है। अगर गिल, बुमराह या राहुल जैसे खिलाड़ी तीनों सीरीज खेलते हैं तो उन्हें एक महीने के भीतर टी20 से टेस्ट और फिर वनडे फॉर्मेट में ढलना होगा। कप्तान और कोच पहले भी ऐसे बिजी शेड्यूल पर अपनी आवाज उठा चुके हैं इसलिए अंतिम फैसला उन्हीं की राय पर टिका होगा।

तिलक वर्मा के शतक से मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटन्स को हराया

नई दिल्ली,21 अप्रैल 2026। तिलक वर्मा ने इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार पहली सेंचुरी लगाकर फॉर्म में वापसी की, जिससे मुंबई इंडियंस ने सोमवार को गुजरात टाइटन्स को 99 रन से हराकर लगातार चार मैच हारने का सिलसिला तोड़ा। तिलक 45 गेंदों पर 101 रन बनाकर नॉट आउट रहे, और पारी की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर एमआई को खराब शुरुआत के बाद पांच विकेट पर 199 रन तक पहुंचाया। जवाब में, जीटी 15.5 ओवर में 100 रन पर आउट हो गई, जिसमें बाएं हाथ के सीमर अश्विनी कुमार ने चार ओवर में 4/24 के शानदार आंकड़े दिए। पहले बैटिंग करने के लिए कहने पर, एमआई मुश्किल में पड़ गई जब कगिसो रबाडा (4 ओवर में 3/33) ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। नमन धीर आए और 32 गेंदों पर 45 रन बनाए, लेकिन तिलक ने एमआई के लिए बड़ा काम किया, सात छक्के और आठ चौके लगाकर लीग के शुरुआती दौर में खराब स्कोर का सिलसिला खत्म किया।

इंग्लैंड महिला टीम चयन को लेकर कोच का बयान

लंदन ,21 अप्रैल 2026। शार्लेट एडवर्ड्स ने माना कि आने वाले विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड की टीम चुनना बहुत मुश्किल होगा क्योंकि अब टीम में काफी टैलेंट है, और कई खिलाड़ी लगातार हाई लेवल पर परफॉर्म कर रहे हैं। एडवर्ड्स ने कहा कि इससे सिलेक्टर्स का काम चैलेंजिंग तो है, लेकिन यह एक पॉजिटिव बात भी है, क्योंकि इससे पता चलता है कि टीम ने पिछले कुछ सालों में कितना सुधार किया है और कहा कि वह वर्ल्ड कप में जाने से पहले कमजोर खिलाड़ियों के बजाय मुश्किल सिलेक्शन फैसलों का सामना करना पसंद करेंगी। आईसी विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप का दसवां एडिशन आने वाला है, जिसमें 12 टीमें होंगी, जिससे यह अब तक का सबसे बड़ा

विमेंस टी 20 वर्ल्ड कप बन जाएगा। टूर्नामेंट 12 जून से शुरू होगा, और विनर का ताज 5 जुलाई को फाइनल में पहनाया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत मेज़बान इंग्लैंड की टीम एजबेस्टन में श्रीलंका से खेलेगी, और ग्रुप स्टेज के मैच 28 जून को खत्म होंगे। पहला और दूसरा सेमी-फ़ाइनल 30 जून और 2 जुलाई को द ओवल में खेले जाएंगे, और उसके बाद लॉर्ड्स में फ़ाइनल होगा।

CMYK

27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र

महिला आरक्षण बिल पर सरकार लाएगी निंदा प्रस्ताव

रायपुर,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 27 अप्रैल को होगा। इस सत्र में राज्य सरकार महिला आरक्षण कानून और डीलिमिटेशन से जुड़े 131वें संवैधानिक संशोधन विधेयक के पास नहीं होने के विरोध में निंदा प्रस्ताव लाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि वे 'दुखी मन' से अपनी बात रख रहे हैं। उनके मुताबिक महिलाओं को 33% आरक्षण देने का सपना विपक्ष के रवैये के कारण पूरा नहीं हो पाया।

महिलाओं की उम्मीदों को ठेस

सीएम साय ने कहा कि इस फैसले से देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों को ठेस पहुंची है। उनका मानना है कि यह सिर्फ एक राजनीतिक मुद्दा नहीं,बल्कि महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा मामला है।

छत्तीसगढ़ का उदाहरण दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को करीब 57% आरक्षण दिया गया है। वहीं विधानसभा में भी 20% से ज्यादा महिला विधायक हैं। इससे साफ है कि सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर गंभीर है।

विपक्ष पर आरोप

साय ने विपक्ष पर समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की राजनीति से देश को नुकसान होता है।

आगे भी उठेंगे कदम

मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि महिला आरक्षण को लेकर आगे सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता इस मुद्दे को समझ रही है और समय आने पर सही फैसला करेगी।

सत्र रहेगा अहम

27 अप्रैल का यह विशेष सत्र राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। महिला आरक्षण जैसे मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में बदला राशन दुकान खुलने का टाइम,अब सुबह 7 से रात 9 बजे तक मिलेंगे अनाज

रायपुर,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ में बढ़ती भीषण गर्मी के बीच आम लोगों को राहत देने के लिए खाद्य विभाग ने उचित मूल्य की राशन दुकानों के समय में बदलाव किया है। अब सभी राशन दुकानें सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक खुली रहेंगी, ताकि हितग्राही तेज धूप से बचते हुए सुविधाजनक समय पर राशन ले सकें। आदेश के अनुसार दुकानों को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक आवश्यकतानुसार बंद रखा जा सकता है। यह निर्णय दुकानदारों और कर्मचारियों को भी गर्मी से राहत देने के लिए लिया गया है। इस बार खास व्यवस्था यह की गई है कि राशन दुकानें सोमवार, रविवार और अन्य सरकारी छुट्टियों के दिन भी खुली रहेंगी। इन दिनों में भी नियमित रूप से अनाज का वितरण किया जाएगा, ताकि किसी भी हितग्राही को परेशानी न हो। बता दें कि प्रदेश में वर्तमान में तीन माह का चावल वितरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। हालांकि, भंडारण की समस्या के चलते कई हितग्राहियों को समय पर चावल नहीं मिल पा रहा है। इसके बावजूद विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों तक अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। हालांकि कुछ स्थानों पर चावल के भंडारण की समस्या सामने आ रही है, लेकिन विभाग का कहना है कि इसे जल्द ही दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आपूर्ति को नियमित और सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

महिला आरक्षण बिल के पारित नहीं होने पर भाजपा का गुस्सा बरकरार

ऐतिहासिक गलती के लिए छत्तीसगढ़ की महिलाएं कांग्रेस को कभी नहीं करेंगी माफ : उप मुख्यमंत्री साव

रायपुर,21 अप्रैल 2026। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पारित नहीं हो पाने से पहले ही भाजपा नेताओं का गुस्से पर आज छत्तीसगढ़ पहुंची कांग्रेस सांसद रंजीता रंजन के बयान ने आग में घी डालने का काम किया। यह गुस्सा उप मुख्यमंत्री अरुण साव के बयान में साफ नजर आया,जब उन्होंने बिल पारित होने को कांग्रेस की ऐतिहासिक गलती करार देते हुए कहा कि इसके लिए छत्तीसगढ़ की महिलाएं कभी माफ नहीं करेंगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में पत्रकारों से नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोकसभा में पारित नहीं हो पाने पर कहा कि वास्तव में देश की आधी आबादी के साथ अन्याय और धोखा हुआ है। दशकों तक नारी शक्ति को उनके अधिकार से वंचित किया गया है। जब नगरीय निकायों एवं पंचायतों में महिलाओं को आरक्षण मिला हुआ है, तो उन्हें विधानसभा और

लोकसभा में आरक्षण क्यों नहीं मिलना चाहिए? उन्होंने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दलों ने पिछले चार दशकों से महिलाओं को उनके अधिकार से वंचित रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने प्रयत्न किया कि आधी आबादी को उनका अधिकार मिले,लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने षड्यंत्र करके नारी शक्ति को फिर से उनके अधिकार से वंचित किया है। उनकी आवाज को और बुलंद करने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि ये कितनी हास्यास्पद बात है कि छत्तीसगढ़ के तीन करोड़ लोगों की उपेक्षा करके जिस रंजीता रंजन को राज्यसभा में भेजा गया,वही रंजीता रंजन जी आज छत्तीसगढ़ आ रही हैं। जिसने संसद में बिल के खिलाफ समर्थन कर छत्तीसगढ़ के माताएं और बहनों को अधिकार से वंचित किया। साव ने कहा कि वास्तव में कांग्रेस छत्तीसगढ़ के साथ और छत्तीसगढ़ की आधी आबादी के साथ धोखा हुआ है। भविष्य में कांग्रेस को यह बहुत भारी पड़ने वाली है।

महासमुंद में पकड़ाया 46 लाख का चांदी

ओडिशा से आ रहे बस यात्री से बरामद हुई ज्वेलरी, वैध दस्तावेज नहीं,आभूषण जब्त

महासमुंद,21 अप्रैल 2026। महासमुंद जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सिंघोड़ा पुलिस ने 46 लाख रुपये से अधिक कीमत के चांदी के आभूषण जब्त किए हैं। यह कार्रवाई नेशनल हाईवे के 53 रेहटीखोल चेक पोस्ट पर की गई, जहां एक यात्री के पास से करीब 18.590 किलोग्राम चांदी के गहने बरामद हुए। पुलिस ने ओडिशा की ओर से आ रही 'श्री श्याम ट्रैवल्स' की एक बस को रेहटीखोल चेक पोस्ट पर रोका। वाहनों की जांच के दौरान,एक यात्री के पास मौजूद बैग संदिग्ध लगा, जिसके बाद उसकी तलाशी ली गई।

उड़ीसा से रायपुर ला रहे थे चांदी

पूछताछ में यात्री ने अपनी पहचान कटक, ओडिशा निवासी राज किशोर शर्मा उर्फ राजू (58) के रूप में बताई। उसके नीले रंग के पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर तीन प्लास्टिक डिब्बों में रखे 600 नग चांदी के पायल मिले।

यात्री से पुलिस को नहीं मिला कोई लिखित दस्तावेज : बरामद चांदी के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए यात्री

को धारा 94 बी.एन.एस. के तहत नोटिस जारी किया गया। यात्री द्वारा लिखित में दस्तावेज न होने की जानकारी देने पर पुलिस ने धारा 106 के तहत चांदी के आभूषणों को जब्त कर लिया।

सीमावर्ती क्षेत्रों में चलाया जा रहा सघन चेकिंग अभियान : मामले की गंभीरता को देखते हुए, जब्त सामग्री की जानकारी आयकर विभाग और राजस्व सूचना निदेशालय, छत्तीसगढ़ को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दी गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध परिवहन और गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई इसी अभियान का एक हिस्सा है।

एक महीने पहले भी पकडे गए थे 54 लाख के चांदी के आभूषण : इस से पहले भी महासमुंद के कोमाखान में तलाशी के दौरान कार की बीच वाली सीट पर रखे तीन बैगों में 10 प्लास्टिक डिब्बों में पैक कुल 41 पैकेट चांदी के फैंसी आभूषण मिले थे। जब्त किए गए आभूषणों का वजन 21.089 किलोग्राम है और इनकी अनुमानित कीमत 54 लाख 60 हजार रुपये बताई गई थी। कार में सवार व्यक्तियों ने अपनी पहचान टिकेश कुमार साहू (38), निवासी बाना, थाना उरला, जिला रायपुर और विरेन्द्र प्रधान (50), निवासी मठपारा, थाना टिकरापारा, जिला रायपुर के रूप में बताई थी। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे इन आभूषणों को ओडिशा से रायपुर ले जा रहे थे। हालांकि, वे इन आभूषणों से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए थे।

पीडब्ल्यूडी ब्रिज की ग्रिल में गर्दन फंसने से बुजुर्ग की मौत,पुलिस जांच में जुटी

रायपुर,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के राजेंद्र नगर इलाके में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है,जहां एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पीडब्ल्यूडी ब्रिज के पास डिवाइडर की लोहे की ग्रिल में उनकी गर्दन फंसी मिली, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान परशुराम नगर पुरैना निवासी 80 वर्षीय जगदीश प्रसाद के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वे रोज की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे राहगीरों की नजर उन पर पड़ी,जब उनकी गर्दन ग्रिल में फंसी हुई थी और वे बेहोश हालत में थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और परिजनों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार,ग्रिल में गर्दन फंसने से ही उनकी मौत हो गई। हालांकि सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर उनकी गर्दन ग्रिल में फंसी कैसे? यह हादसा है, आत्महत्या या फिर कोई और कारण,फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। राजेंद्र नगर थाना प्रभारी के मुताबिक आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ पाएगी।

मेडिकल रिपोर्ट निगेटिव होने के बावजूद पीड़ित बच्ची की गवाही पर आरोपी को उम्रकैद

बिलासपुर,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के एक गंभीर मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए निचली अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि पीड़िता की गवाही स्पष्ट, सुसंगत और विश्वसनीय है, तो केवल मेडिकल या वैज्ञानिक साक्ष्य के अभाव या निगेटिव होने के आधार पर आरोपी को बरी नहीं किया जा सकता। जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने आरोपी की अपील पर सुनवाई करते हुए यह ऐतिहासिक टिप्पणी की। मामले में आरोपी ने अपनी सजा को चुनौती दी थी और तर्क दिया था कि मेडिकल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए उसे बरी किया जाना चाहिए।

महतारी वंदन योजना पर बड़ा अलर्ट, 30 जून है आखिरी तारीख

रायपुर,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ की लाखों महिलाओं के लिए एक बहुत जरूरी खबर सामने आई है। अगर आप महतारी वंदन योजना का लाभ ले रही हैं तो अब सिर्फ इंतजार करने से काम नहीं चलेगा। सरकार ने साफ कर दिया है कि 30 जून 2026 से पहले ईकेवाईसी कराना अनिवार्य है। अगर यह प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं हुई तो हर महीने मिलने वाली 1000 रुपये की किस्त रुक सकती है। यह योजना राज्य की महिलाओं को आर्थिक सहारा देने के लिए शुरू की गई थी लेकिन अब लाभ केवल उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जिनका रिकॉर्ड पूरी तरह सही और अपडेट होगा। इसलिए सरकार ने ईकेवाईसी को जरूरी कर दिया है ताकि सही लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे।

धमतरी में 72 लाख का गांजा जब्त,दो तस्कर गिरफ्तार

ओडिशा से महाराष्ट्र ले जा रहे थे,वन विभाग ने चेकिंग के दौरान कार से पकड़ा

धमतरी,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के धमतरी में वन विभाग और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 127 किलो से अधिक गांजा जब्त किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जो ओडिशा से महाराष्ट्र गांजा ले जा रहे थे। जब्त किए गए गांजे और अन्य सामान की कुल कीमत 72 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई 20 अप्रैल की शाम धमतरी जिले के सिहावा थाना क्षेत्र में हुई। सांकरा स्थित फॉरेस्ट नाका पर वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी नियमित वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध कार को डिप्टी रेंजर ने रोका और उसकी तलाशी ली।

कार की डिक्की से 127 किलो गांजा बरामद

तलाशी के दौरान कार की डिक्की में भूरे रंग के सेलो टेप से पैक किए गए 62 पैकेट गांजा मिला। वाहन में मौजूद लोगों से गांजे के परिवहन और बिक्री से जुड़े कागजात मांगे गए, लेकिन वे कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाए। इसके बाद गांजे का वजन किया गया, जो कुल 127.09 किलो निकला। इसकी अनुमानित कीमत करीब 63 लाख 54 हजार 500 रुपए बताई गई है। पुलिस ने गांजे के साथ-साथ घटना में इस्तेमाल कार, दो मोबाइल फोन और 1,500 रुपए नकद भी जब्त किए। इस प्रकार जब्त की गई कुल संपत्ति की कीमत लगभग 72 लाख 71 हजार रुपए आंकी गई है।

महाराष्ट्र के दो आरोपी गांजा तस्करी में गिरफ्तार

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संदीप विष्णु खोत (41 वर्ष), निवासी सिंदे चौक, अस्टा, जिला सांगली (महाराष्ट्र) और स्वप्नील मुलिक (31 वर्ष), निवासी अस्टा दक्षिण भाग सोसायटी चौहान वाडी, जिला सांगली (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। सिहावा थाना में उनके खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

बिलासपुर बादाम कांड में नया खुलासा

एनओसी के बदले पैसे मांगने का आरोप,विवादित वीडियो हो रहा वायरल

बिलासपुर,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित बिलासपुर बादाम कांड में एक बार फिर नया मोड़ आ गया है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की वरिष्ठ सहायक पूनम बंजारे का एक और विवादित वीडियो सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस वीडियो में एनओसी जारी करने के एवज में पैसे मांगने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि एक महिला आवेदक और उसके बेटे को लंबे समय तक ऑफिस के चक्कर लगवाए गए। आरोप है कि एक से डेढ़ महीने तक एनओसी जानबूझकर लंबित रखी गई और इस दौरान पैसे की मांग की गई। वायरल वीडियो में महिला आवेदक अधिकारी से गुहार लगाते हुए कहती नजर आ रही है 'मैडम गाली मत दो ', जबकि पूनम बंजारे कथित तौर पर गाली-गलौज करती दिखाई दे रही हैं। मामले में आरोप लगने के बाद पूनम बंजारे ने वीडियो में सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने किसी प्रकार के पैसे की मांग नहीं की है। हालांकि इस दौरान ऑफिस परिसर में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली, जिससे माहौल गरमा गया।

जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला मार्च महीने के अंत का बताया जा रहा है। नामांतरण से जुड़े इस प्रकरण में आवेदक का आवेदन 17 मार्च 2025 से लंबित था। बाद में 11 नवंबर 2025 को आदेश जारी होने के बावजूद आवेदक को लाभ नहीं मिल पाया, जिससे फाइल दबाकर रखने के आरोप और मजबूत हो गए हैं।

नक्सल मुक्त हुआ बस्तर तो अफसरों और ठेकेदारों की हुई मौज

घटिया तरीके से बना रहे थे स्कूल भवन,वीडियो हुआ वायरल तो निर्माण पर चला बुलडोजर

बीजापुर,21 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ का नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग अब माओवाद से मुक्त हो गया है, सरकारी कामकाज में व्याप्त भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। नक्सलियों के दखल के दौरान कुछ कम होते, वो भी घटिया, वहीं कई निर्माण कार्य तो हुए बिना ही पूरे दर्शा दिए जाते थे। हालात बदले हैं मगर करप्शन की जड़ें अब भी गहरी हैं। इसी का जीता जगता नमूना बीजापुर जिले में देखने को मिला, जहां गांव के एक युवक ने घटिया निर्माण कार्य की पोल खोलता हुआ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया। जब यह मामला परवान चढ़ा तब प्रशासन ने पूरे निर्माण कार्य को बुलडोजर चला कर जमींदोज कर दिया। भैरमगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत चिंगेर में निर्माणाधीन प्राथमिक शाला भवन में गंभीर लापरवाही और घटिया निर्माण का मामला तब खुला,जब इसका एक वीडियो बनाकर स्थानीय युवक ने वायरल किया, तब इस मामले में प्रशासन ने संज्ञान लिया। सोमवार को घटिया निर्माणाधीन स्कूल भवन को जेसीबी चलाकर तोड़ा गया। इस निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियर पर भी कार्रवाई हो सकती है। चिंगेर में बन रहे स्कूल भवन का 5 मिनट का वीडियो एक युवक ने तैयार किया और बताया कि किस तरह नींव की खुदाई किए बिना कांक्रीट पर रॉड लगाया जा रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वायरल वीडियो में निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए थे। इसमें दिखाया गया था कि भवन में इस्तेमाल किया गया मटेरियल इतना कमजोर है कि उसे डंडे से आसानी से उखाड़ा जा सकता है।

प्रशासन ने चलवाया बुलडोजर : इस घटिया निर्माण की जैसे ही पोल खुली जिला प्रशासन के निर्देश पर इलाके के एसडीएम ने निर्माण कार्य की जांच कराई। इसके बाद बुलडोजर चलाकर पूरे निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया गया। गौरतलब है कि बस्तर क्षेत्र में नक्सल प्रभाव कम होने के बाद सरकार और प्रशासन शिक्षा के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। दूरस्थ और अंदरूनी इलाकों में स्कूलों का निर्माण कराया जा रहा है,ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें। लेकिन इस तरह के घटिया निर्माण कार्य इन प्रयासों पर सवाल खड़े करते हैं।

ट्रक की टक्कर से 2 युवकों की मौत,अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी के सामने शव रखकर परिजनों ने किया प्रदर्शन

रायपुर,21 अप्रैल 2026। राजधानी रायपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 2 युवकों को टक्कर मारी। इस हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे युवक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। वहीं एक अन्य युवक घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा। पूरा मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी की ट्रक ने ही युवकों को रौंदा है। हादसे के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मंगलवार को अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी छेड़ीखेड़ी के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया और मुआवजा देने की मांग की। कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष पप्पू बंजारे के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में बैठकर उनका समर्थन किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)